विशाल इंडिया

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

सच्चाई की राह पर!

वर्ष : 13 | अंक : 214 | गौतमबुद्धनगर, मंगलवार 02 जूलाई 2024 | पृष्ठ : 08 मूल्य : 02 रूपये | आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236

P- 3

नोएडा में ज्यादा व्यूज के लिए टॉवर पर चढ़ा

P- 4

काशी विश्वनाथ परिक्षेत्र में लाखों के गुंडा-टैक्स को लेकर फायरिंग

P- 5

गाजा में भारी बमबारी के बाद ईरान को भी इजरायल ने दी चेतावनी

P- 6

जय शाह ने की पुष्टि, टीम इंडिया के नए मुय कोच श्रीलंका सीरीज से जुड़ेंगे

हैप्पी मॉर्निंग

हाईस्कूल में पढ़ने वाली दो लड़कियां आपस में बातें कर रही थीं।
पहली लड़की- यार, मेरे पापा ने कहा है कि इस बार अगर परीक्षा में फेल हुई तो तेरी शादी कर दूंगा।
दूसरी लड़की- तो तुमने कितनी तैयारी की है? पहली लड़की- बस, रिसेप्शन की ड्रेस लेनी बाकी है...

शायरी

ये जो खुद को राशन की कतारों में खड़ा पाता हूँ मैं,
खेतों से बिछड़ने की सजा पाता हूँ मैं!

अर्थसार

सेंसेक्स:
79,476.19
+443.46 (0.56%)
निफ्टी:
24,141.95
+131.35

मौसम

अधिकतम : 33 डिग्री से0
न्यूनतम : 28 डिग्री से
सूयोदय बुधवार : 5 : 30
सूर्यास्त मंगलवार : 7 : 30

राजस्थान में सड़क हादसे में 9 की मौत

ट्रक से बोलेरो टकराई, मृतकों में 2 बच्चे, 6 महिलाएं

करौली। राजस्थान के करौली में बोलेरो और ट्रक की भिड़ंत में 2 बच्चों व 6 महिलाओं समेत 9 लोगों की मौत हो गई। 4 लोग घायल हैं। हादसा सोमवार (1 जुलाई) शाम करीब 5 बजे करौली-मंडरायल मार्ग स्थित डूंडापुरा मोड़ के पास हुआ।

एसपी ब्रजेश ज्योति उपाध्याय ने बताया- करौली-मंडरायल मार्ग स्थित डूंडापुरा मोड़ के पास तेज रफ्तार कार और ट्रक की आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसे में कार का आगे का हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। दोनों वाहनों के टकराने की आवाज सुनकर आसपास के लोग पहुंचे। पुलिस और एम्बुलेंस को सूचना दी गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, वाहन के अनियंत्रित होने से हादसा हुआ। बोलेरो में सवार लोग कैला देवी के दर्शन करके लौट रहे थे।

मौके पर पुलिस ने सभी घायलों को करौली जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने 9 लोगों को मृत घोषित कर दिया। वहीं, 4 घायलों को अस्पताल में भर्ती किया गया। इनमें से एक महिला और एक बच्ची समेत तीन

गंभीर घायलों को जयपुर के एसएमएस अस्पताल रैफर किया गया।

मृतकों में से 7 लोग मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले के रहने वाले थे। घायलों में भी 2 लोग श्योपुर के हैं। वहीं, 2 मृतक राजस्थान के करौली जिले के खिरकन गांव निवासी थे। खिरकन निवासी एक बच्ची सहित 2 लोग घायल हैं।

हादसे की सूचना मिलते ही कलेक्टर नीलाभ सक्सेना दुर्घटना स्थल पर पहुंचे। उन्होंने राहत और बचाव कार्यों की जानकारी ली। वहीं, एडीएम राजवीर चौधरी हॉस्पिटल में घायलों का हालचाल लेने पहुंचे।

कार का पूजन करवा कर कैला देवी से लौट रहे थे

बोलेरो में सवार सभी लोग कैला देवी गए थे। बोलेरो का पूजन कराने के बाद करौली के खिरकन गांव लौट रहे थे। दरअसल, मध्य प्रदेश के श्योपुर के रहने वाले लोगों ने कुछ दिन पहले ही सेकेंड हैंड बोलेरो खरीदी थी। वे खिरकन गांव से अपने रिश्तेदारों को लेकर कैला देवी के दर्शन करने गए थे।

के. कविता की जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली। शराब नीति से जुड़े भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बीआरएस नेता के. कविता की जमानत याचिका को दिल्ली हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया है। प्रवर्तन निदेशालय ने कविता को 15 मार्च को गिरफ्तार किया था। इसके बाद सीबीआई ने उन्हें 11 अप्रैल को गिरफ्तार किया था। कविता अभी तिहाड़ में बंद हैं। हाईकोर्ट की जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने 28 मई को कविता की दो जमानत याचिकाओं पर आदेश सुरक्षित रख लिया था। कविता ने ट्रायल कोर्ट के 6 मई के आदेश को चुनौती दी है, जिसमें उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी गई थी।

विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली में चल रहे संसद सत्र के दौरान केंद्र सरकार द्वारा जांच एजेंसियों के कथित दुरुपयोग के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी अन्य विपक्षी दलों के सांसदों के साथ।

श्रीलंकाई नौसेना ने तमिलनाडु के 25 मछुआरों को किया गिरफ्तार

रामनाथपुरम। श्रीलंकाई नौसेना ने सोमवार को तमिलनाडु के 25 मछुआरों को गिरफ्तार किया और उनकी चार नौकाएं भी जब्त कर लीं। श्रीलंकाई नौसेनाओं का आरोप है कि ये मछुआरे उनके जलक्षेत्र में अवैध रूप से मछली पकड़ने की गतिविधियों में शामिल हैं।

तमिलनाडु के मत्स्य अधिकारियों ने यहां बताया कि गिरफ्तार किए गए मछुआरे रामनाथपुरम जिले के पंबन और धनुषकोडी तटीय बस्तियों से हैं। वे रविवार की सुबह मछली पकड़ने के लिए चार मछली पकड़ने वाली नावों में सवार होकर समुद्र में उतरे थे। जब वे अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (आईएमबीएल) के करीब मछली पकड़ रहे थे, तब श्रीलंकाई नौसेना के कर्मियों ने उन्हें द्वीप राष्ट्र के क्षेत्रीय जल में अवैध शिकार के आरोप में गिरफ्तार कर लिया।

भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया गया और उनसे जब्त ट्रॉलर के साथ कांकेसंथुराई बंदरगाह ले जाया गया। बाद में, आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए मैलाडी मत्स्य अधिकारियों को सौंप दिया गया।

तेलंगाना में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

नागरकुर्नूल। तेलंगाना के नागरकुर्नूल जिले के वानापतला गांव में सोमवार तड़के एक पुरानी मिट्टी की इमारत गिरने से एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई जिसमें मां और तीन बच्चे शामिल हैं जबकि एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया।

पुलिस के अनुसार, परिवार में माता, पिता, दो बेटियां और एक बेटा शामिल हैं, जो अपनी मिट्टी की इमारत में सो रहे थे।

भारी बारिश के कारण लगभग तीन बजे सुबह घर का पुराना ढांचा उन पर गिर गया। मां, दो बेटियों और बेटे की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल पिता भास्कर (28) को इलाज के लिए नगरकुर्नूल के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

मृतकों की पहचान पद्मा (26), जुड़वां बेटियां - पप्पी (6), और वसंता (6) और 10 महीने के बेटे के रूप में की गई। पुलिस ने कहा कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

तमिलनाडु में जहरीली शराब से मरने वालों की संख्या 65 हुई

कल्लाकुरिची। तमिलनाडु में जहरीली शराब से मरने वालों की संख्या में लगातार इजाफा देखने को मिल रहा है। जिला कलेक्टरेट के अनुसार तमिलनाडु के कल्लाकुरिची जिले में अवैध शराब त्रासदी में मरने वालों की संख्या अब बढ़कर 65 हो गई है। दूसरी ओर बीती शाम राज्य भर के अस्पतालों से 148 लोगों को छुट्टी दे दी गई है।

16 लोगों का चल रहा इलाज

अधिकारियों ने बताया कि दो लोगों का कल्लाकुरिची सरकारी चिकित्सा एवं अस्पताल में इलाज चल रहा है। वहीं, पुडुचेरी में छह लोगों का इलाज चल रहा है, जबकि सलेम के सरकारी अस्पतालों में आठ लोगों का इलाज चल रहा है। फिलहाल कुल 16 लोगों का इलाज चल रहा है।

इससे पहले एनसीडब्ल्यू ने शराब से लोगों को मरने की मीडिया रिपोर्ट का स्वतः संज्ञान लेते हुए मामले की जांच के लिए एनसीडब्ल्यू सदस्य खुशबू सुंदर के नेतृत्व में तीन सदस्यीय जांच समिति गठित की थी। खुशबू सुंदर के नेतृत्व में राष्ट्रीय महिला आयोग के तीन सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने तमिलनाडु के कल्लाकुरिची जिले में जहरीली शराब पीने से जान गंवाने वाले पीड़ितों के परिवारों से मुलाकात की। इससे पहले

28 जून को भाजपा नेता अनिल एंटनी, अरविंद मेनन और सांसद जीके वासन के एनडीए प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष किशोर मकवाना से मुलाकात की और कल्लाकुरिची अवैध शराब त्रासदी के संबंध में एक ज्ञापन सौंपा। उन्होंने चेयरमैन से यह सुनिश्चित करने की अपील की कि कल्लाकुरिची जहरीली शराब त्रासदी के पीड़ितों के परिवारों को पर्याप्त मुआवजा और न्याय मिले।

स्टालिन के इस्तीफे की हो रही मांग

ज्ञापन में कल्लाकुरिची नकली शराब सेवन त्रासदी के अनुसूचित जाति के पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए तत्काल हस्तक्षेप की मांग की गई। एआईएडीएमके महासचिव एडप्पादी के पलानीस्वामी पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ कल्लाकुरिची शराब त्रासदी की सीबीआई जांच और डीएमके सरकार की अक्षमता को लेकर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के इस्तीफे की मांग को लेकर भूख हड़ताल पर बैठे हैं।

हरियाणा में आयुष्मान-चिरायु कार्ड से इलाज बंद, 1 करोड़ लोगों को देना होगा बिल

200 करोड़ की पेमेंट रोकने पर प्राइवेट अस्पतालों का फैसला

हिसार। हरियाणा के प्राइवेट अस्पतालों में आज से आयुष्मान भारत-चिरायु हरियाणा कार्ड से इलाज बंद हो गया है। सरकार द्वारा पेमेंट रोकने पर प्राइवेट अस्पतालों ने ये फैसला लिया है। इससे मरीजों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। प्रदेश में 1.3 करोड़ से अधिक आयुष्मान-चिरायु कार्ड बनाए जा चुके हैं। इसमें से 90 लाख कार्ड धारक सुविधा का लाभ उठा चुके हैं।

हरियाणा में आयुष्मान योजना के पैनल में 600 से अधिक प्राइवेट अस्पताल आते हैं। करीब 200 करोड़ रुपए का सरकार पर बकाया है। इसमें 20 फीसदी केवल हिसार का है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन का

कहना है कि सरकार जब तक राहत नहीं देती डॉक्टर कार्ड धारकों का इलाज नहीं करेंगे।

वहीं स्वास्थ्य मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने डॉक्टरों से अपील की है वह इलाज बंद ना करें। उनकी समस्या का समाधान सरकार कर रही है। 15 जुलाई तक उनकी समस्या दूर कर दी जाएगी।

90 करोड़ की पेमेंट आई, मगर 200 करोड़ बकाया

प्राइवेट अस्पतालों का करीब 200 करोड़ रुपए सरकार पर बकाया है। पिछले दिनों यह बकाया करीब 300 करोड़ तक पहुंच गया था, मगर स्वास्थ्य मंत्री गुप्ता से मीटिंग के बाद सरकार ने 90 करोड़ रुपए खातों में डलवाए।

प्रदेश में रोजाना करीब 4 हजार लोग आयुष्मान योजना से इलाज करवाते हैं। प्रदेश के अस्पतालों का क्लेम रोजाना 4 करोड़ के आसपास बैठता है। ऐसे में अगर एक महीना भी पेमेंट लेट हो जाती है तो करीब 400 करोड़ रुपए पेंडिंग में चला जाता है।

स्वास्थ्य मंत्री बोले-आगे से ब्याज के साथ रकम देंगे

स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर कमल गुप्ता ने बताया कि प्राइवेट अस्पताल इस तरह मरीजों का इलाज करने से मना नहीं कर सकते। इससे मरीजों को परेशानी होती है। केंद्र की तरफ से चलने वाले सीएमएस पोर्टल से क्लेम लेने में दिक्कत आ रही है। पोर्टल का प्रोसेस स्लो चल रहा है। इससे ठीक किया जा रहा है। हरियाणा में 90 डॉक्टरों की भर्ती की है, जो आयुष्मान योजना से जुड़े केसों को देखेंगे। इससे डॉक्टरों को क्लेम लेने में दिक्कत नहीं आएगी।

वहीं हम एक और राहत देने जा रहे हैं। जल्द ही इसे अप्रूव्ड कर दिया जाएगा। अब 15 दिन के बाद जो भी क्लेम पेमेंट लेट होगी उसे अस्पतालों को ब्याज सहित दिया जाएगा।

25 राज्यों में बारिश का रेड अलर्ट

महाराष्ट्र के चिपलून में सड़क पर आया मगरमच्छ; लोनावाला डैम में एक परिवार के 5 लोग बहे

नई दिल्ली। मौसम विभाग ने देश के 25 राज्यों में आज और अगले 5 दिन बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। इनमें राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल, पंजाब, हरियाणा, गुजरात, महाराष्ट्र, दिल्ली, बिहार, झारखंड, दक्षिण और नॉर्थ-ईस्ट के राज्य शामिल हैं।

मौसम विभाग ने बताया कि मानसून अब देश के करीब सभी राज्यों में पहुंच गया है। अगले तीन दिन में यह राजस्थान, पंजाब और हरियाणा के बाकी बचे हिस्से को भी कवर कर लेगा। जून में देशभर में 165.3 मीमी की जगह 147.2 मीमी बारिश हुई है। यह सामान्य से 11 प्रतिशत कम है।

महाराष्ट्र के उन्नागिरी जिले के चिपलूण स्थित शिव नदी में मगरमच्छों की संख्या बढ़ी है।

बरसात में नदी के भरने की वजह से मगरमच्छ सड़क व बस्तियों की ओर आ रहे हैं। रविवार को लोनावला में एक ही परिवार के 5 लोग भुशी डैम में बह गए। इनमें एक महिला, 13 साल की लड़की, 6 साल की 2 बच्चियां और 4 साल का एक लड़का शामिल था। तीन के शव बरामद हुए हैं। रविवार को महाराष्ट्र, बिहार, राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और अरुणाचल प्रदेश समेत कई अन्य राज्यों में भारी बारिश हुई।

एमपी : फंदे पर लटके मिले 5 लोगों के शव

फॉरेंसिक की प्राथमिक जांच में घटनास्थल पर किसी संघर्ष के निशान नहीं मिले हैं

एजेंसी

आलीराजपुर। आलीराजपुर में पति-पत्नी और तीन बच्चों के शव फांसी के फंदे पर लटके मिले हैं। घटना आलीराजपुर जिले के सांडवा थाना क्षेत्र के राउड़ी गांव की है। एसपी राजेश व्यास समेत पुलिस के आला अधिकारी मौके पर हैं।

एफएसएल की टीम जिला मुख्यालय से घटनास्थल पहुंची। फॉरेंसिक की प्राथमिक जांच में घटनास्थल पर किसी संघर्ष के निशान नहीं मिले हैं। इससे हत्या की आशंका कम है। पुलिस को अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है।

पुलिस ने बताया कि राकेश पिता जागर सिंह, उसकी पत्नी ललिता, बेटी लक्ष्मी, बेटा प्रकाश और अक्षय के शव घर में ही फंदे पर लटके मिले। राकेश के चाचा सुबह घर पहुंचे तो इसकी जानकारी लगी। इसके बाद सांडवा थाना पुलिस को सूचना दी गई।

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा, एफएसएल जांच रिपोर्ट का इंतजार है। मैं नहीं मानता कि कोई आदिवासी इतना कमजोर हो सकता है।

रिश्तेदारों ने जताई हत्या की आशंका

पड़ोसियों का कहना है कि राकेश किसान था। उसने या परिवार के किसी सदस्य ने कभी किसी परेशानी का जिक्र नहीं किया। वहीं, रिश्तेदारों ने हत्या की आशंका जताई है। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

भाजपा मंडल अध्यक्ष जयपाल सिंह ने कहा, यह परिवार खुदकुशी जैसा कदम नहीं उठा सकता। यह हत्या है। पुलिस को इसकी जल्द जांच करना चाहिए। उन्होंने कहा कि परिवार के 5 लोगों के शव मिलने से पूरे गांव में शोक है।

एसपी बोले- पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार

एसपी राजेश व्यास ने बताया कि सुबह 7 बजे मामले की सूचना मिली थी।

राकेश का घर उसके खेत के पास ही बना है। प्रकरण गंभीर है इसलिए एफएसएल की टीम बुलाई है। साइबर टीम को भी लगाया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही पता चलेगा कि किन परिस्थितियों में मौत हुई है।

कलेक्टर डॉ. अरविंद अभय बेडेकर ने कहा कि किन परिस्थितियों में मौत हुई, यह बताना अभी जल्दबाजी होगी। पुलिस टीम गंभीरता से जांच कर रही है।

संसद सत्र

भाषण के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष में जमकर तू-तू, मैं-मैं हुई

राहुल गांधी का संसद में 90 मिनट का भाषण, भाजपा को घेरा

नई दिल्ली। संसद सत्र के छठे दिन नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मोदी सरकार और भाजपा को 20 से ज्यादा मुद्दों पर घेरा।

उन्होंने हिंदू, अग्निवीर, किसान, मणिपुर, नीट, बेरोजगारी, नोटबंदी, जीएसटी, एमएसपी, हिंसा, भय, धर्म, अयोध्या, गुजरात, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, अडाणी-अंबानी, प्रधानमंत्री और स्पीकर की चर्चा की।

उन्होंने 90 मिनट के भाषण की शुरुआत संविधान की कॉपी दिखाकर की।

भाषण के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष में जमकर तू-तू, मैं-मैं हुई। राहुल ने अग्निवीर, पीएम मोदी के परमात्मा से डायरेक्ट कनेक्शन और किसानों के एमएसपी कानून की बात

कही। इस पर पीएम 2 बार, शाह-राजनाथ 3-3 बार, शिवराज चौहान, किरेन रिजिजू और भूपेंद्र यादव ने एक-एक बार खड़े होकर टोका।

बीजेपी डर फैला रही

राहुल ने कहा- हिंदू डर नहीं फैला सकता। बीजेपी डर फैला रही है। अयोध्या से शुरू करता हूं।

राहुल के इतना कहने पर अमित शाह खड़े हुए। कहा, नियम इन पर लागू नहीं होता क्या। ये पूरी बीजेपी को हिंसा फैलाने वाला बता रहे हैं। हाउस ऑर्डर में नहीं है। सदन ऐसे नहीं चलेगा।

किसान ने एमएसपी मांगी, आपने कहा- नहीं मिलेगी

राहुल गांधी ने कहा, किसानों ने ये कहा कि 16 लाख करोड़ उद्योगपतियों का कर्जा माफ हो सकता है तो हमारा भी थोड़ा सा कर दीजिए. किसान ने एमएसपी मांगी। आपने कहा क्या। आपने कहा कि आपको ये नहीं मिलेगी।

कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान बोले- ये गलत बयानी कर रहे हैं। एमएसपी पर खरीद जारी है। उनकी सरकार थी तब बताएं कि एमएसपी पर कितनी खरीद होती थी। ये सत्यापित करें कि एमएसपी पर खरीद नहीं हो रही। राहुल गांधी ने कहा कि एमएसपी विथ लीगल गारंटी सर, नॉट जस्ट एमएसपी।

अग्निवीर पीएम का ब्रेन चाइल्ड

राहुल ने कहा, पूरा देश जानता है कि ये सेना की स्कीम है। सेना जानती है कि ये स्कीम सेना की नहीं, पीएम का ब्रेन चाइल्ड है।

राजनाथ सिंह ने आपत्ति जताई। कहा कि ये गलत बयानबाजी कर रहे हैं। राहुल के बयान को एक्सपंज करने की मांग की।

तब राहुल बोले इनको अच्छी लगती है, रखिए। हमारी सरकार आएगी हम हटा देंगे। अग्निवीर जवानों के खिलाफ, सेना के खिलाफ है। राजनाथ सिंह ने राहुल को गलत बयानी करके सदन को गुमराह नहीं करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि सरहद पर अगर कोई अग्निवीर शहीद हो जाता है, तो उसे एक करोड़ रुपए मिलता है।

राहुल गांधी ने कहा कि सच्चाई क्या है, ये अग्निवीर जानता है।

तब अमित शाह बोले, इसका सत्यापन किया जाना चाहिए और अगर वह साबित नहीं करते हैं तो सदन और देश से इसकी माफी मांगनी चाहिए।

इस पर राहुल गांधी ने अग्निवीर को लेकर जानकारी सदन पटल पर रखने की बात कही।

संपादकीय

बेकाबू होती महंगाई : भारतीय समाज पर प्रभाव और चुनौतियां

जितेन्द्र चौधरी, प्रधान संपादक, विशाल इंडिया हिंदी दैनिक

भारत में महंगाई एक महत्वपूर्ण आर्थिक मुद्दा है, जो जनता के दैनिक जीवन को प्रभावित करता है। पिछले कुछ वर्षों में महंगाई ने आम नागरिकों की जिंदगी को कठिन बना दिया है। खाद्य पदार्थों, ईंधन, और अन्य आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों ने घरों के बजट पर गहरा प्रभाव डाला है। बेकाबू होती महंगाई के इस दौर में, इसके कारण, प्रभाव, और समाधान की खोज महत्वपूर्ण है।

महंगाई के कारण

महंगाई का प्रमुख कारण माँग और आपूर्ति के बीच असंतुलन है। जब वस्तुओं और सेवाओं की मांग उनकी आपूर्ति से अधिक हो जाती है, तो कीमतें बढ़ जाती हैं।

ईंधन की कीमतों में वृद्धि : पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतें महंगाई का एक बड़ा कारण हैं। ईंधन की कीमतें बढ़ने से परिवहन और उत्पादन लागत भी बढ़ जाती है, जिससे वस्त्र, खाद्य, और अन्य वस्तुओं की कीमतें प्रभावित होती हैं।

मौसमी प्रभाव : कृषि उत्पादों की कीमतें मौसम के प्रभाव से बदलती हैं। खराब फसल, बाढ़, और सूखे जैसी समस्याओं के कारण उत्पादन में कमी आती है, जिससे खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ती हैं।

वैश्विक कारण : अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे माल की कीमतों में वृद्धि का असर भी घरेलू महंगाई पर पड़ता है। विशेष रूप से तेल, धातु, और अनाज की कीमतों में बढ़ोतरी ने महंगाई को बढ़ावा दिया है।

महंगाई का प्रभाव

महंगाई का असर समाज के विभिन्न वर्गों पर भिन्न-भिन्न तरीकों से पड़ता है।

मध्यम वर्ग : महंगाई का सबसे अधिक प्रभाव मध्यम वर्ग पर पड़ता है। बढ़ती कीमतों के कारण उनकी बचत पर बुरा प्रभाव पड़ता है, और वे अपने परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संघर्ष करते हैं।

निम्न आय वर्ग : निम्न आय वर्ग के लोग, जिनकी आय पहले से ही सीमित होती है, महंगाई के कारण सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। बढ़ती कीमतों के कारण उनकी बुनियादी आवश्यकताएँ भी पूरी नहीं हो पातीं, जिससे उनके जीवन स्तर पर नकारात्मक असर पड़ता है।

वित्तीय स्थिरता : महंगाई का उच्च दर पर होना आर्थिक अस्थिरता का संकेत है, जिससे निवेश और विकास प्रभावित होते हैं। महंगाई के कारण बचत की क्रय शक्ति कम हो जाती है, जिससे वित्तीय योजनाओं पर भी असर पड़ता है।

समाधान और भविष्य की राह

महंगाई को नियंत्रित करने के लिए दीर्घकालिक उपायों की आवश्यकता है।

कृषि सुधार : कृषि उत्पादन में सुधार, फसल विविधीकरण, और नई तकनीकों का उपयोग कृषि उत्पादों की कीमतों को स्थिर कर सकता है।

ऊर्जा नीति : वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों का विकास और ऊर्जा नीति में सुधार से ईंधन की कीमतों पर निर्भरता कम हो सकती है।

नियामक सुधार : बाजार में प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने और आपूर्ति श्रृंखला में सुधार के लिए नियामक सुधार आवश्यक हैं। इससे वस्तुओं और सेवाओं की उपलब्धता में वृद्धि होगी और कीमतों में स्थिरता आएगी।

निष्कर्ष

महंगाई एक जटिल आर्थिक मुद्दा है, जो विभिन्न कारकों से प्रभावित होता है। बेकाबू महंगाई से निपटने के लिए एक संतुलित और व्यापक दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जो न केवल तात्कालिक समस्याओं का समाधान करे बल्कि दीर्घकालिक स्थिरता भी सुनिश्चित करे। महंगाई पर नियंत्रण पाने के प्रयासों में सरकारी नीतियों, आर्थिक सुधारों, और जनता के सहयोग की अहम भूमिका है।

आर्थिक स्थिरता और समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए महंगाई को नियंत्रित करना अत्यंत आवश्यक है। बेहतर नीतियों और योजनाओं के माध्यम से महंगाई को काबू में रखकर देश की आर्थिक प्रगति और सामाजिक विकास को सुनिश्चित किया जा सकता है।

बारिश से बढ़ा जलाशय का जलस्तर

भारत में मानसून का मौसम जीवन की धड़कन है, जो देश की कृषि, जलाशयों, और जल संसाधनों को नए जीवन का संचार देता है। बारिश का पानी जब जलाशयों में पहुँचता है, तो इससे उनका जलस्तर बढ़ जाता है, जिसका सीधा असर पर्यावरण, कृषि, ऊर्जा उत्पादन और जनजीवन पर पड़ता है।

बारिश से जलाशयों का जलस्तर अधिक बढ़ने पर बाढ़ का खतरा उत्पन्न हो सकता है। अगर जलाशयों के जलग्रहण क्षेत्र में पानी का प्रबंधन सही तरीके से नहीं किया गया, तो इसके परिणामस्वरूप आसपास के क्षेत्र डूब सकते हैं, जिससे जनजीवन और संपत्ति को भारी नुकसान हो सकता है।

बढ़ता जलस्तर बांधों और अन्य जलाशय संरचनाओं पर दबाव बढ़ा सकता है। यदि यह दबाव अधिक हो जाए तो बाँधों के टूटने का खतरा उत्पन्न हो सकता है, जिससे आपदा की स्थिति पैदा हो सकती है। इसलिए नियमित निरीक्षण और रखरखाव जरूरी है।

बारिश के साथ जलाशयों में कीचड़, मलबा, और अन्य प्रदूषक भी आ सकते हैं, जिससे पानी की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। यह समस्या न केवल पेयजल आपूर्ति को प्रभावित करती है बल्कि जलीय जीवों के जीवन पर भी नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है।

प्रबंधन की आवश्यकता

जलाशयों का जलस्तर नियमित रूप से मॉनिटर करना आवश्यक है ताकि बाढ़ के खतरों को समय रहते पहचाना जा सके। इसके लिए नवीनतम तकनीकों का उपयोग कर जलाशयों में पानी के बहाव और संग्रहण की स्थिति पर नजर रखी जा सकती है।

बाढ़ से बचने के लिए जलाशयों में पानी का सही प्रबंधन जरूरी है। इसके लिए अतिरिक्त जल को नियंत्रित तरीके से बहाने के लिए चैनल्स और स्पिलवे का उपयोग किया जा सकता है। साथ ही, बाढ़ संभावित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सतर्क और जागरूक करना भी आवश्यक है।

बांध और अन्य जलाशय संरचनाओं की मजबूती और स्थिरता को सुनिश्चित करना जरूरी है। इनके नियमित निरीक्षण और मरम्मत की योजना बनाना चाहिए ताकि किसी भी आपात स्थिति से बचा जा सके।

बारिश से बढ़ते जलाशय का जलस्तर वरदान भी है और चुनौती भी। इसके सही प्रबंधन से जहाँ कृषि, ऊर्जा और पेयजल आपूर्ति में सुधार होता है, वहीं इसके कारण उत्पन्न होने वाले बाढ़ और अन्य समस्याओं से भी निपटना जरूरी है। सतर्कता, तकनीकी प्रबंधन और सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से इन चुनौतियों का सामना करते हुए इस अमूल्य संसाधन का अधिकतम लाभ उठाया जा सकता है।

भारत में शारीरिक निष्क्रियता का बढ़ना चिन्ताजनक

ललित गर्ग

भारत में बढ़ती शारीरिक अकर्मण्यता एवं आलसीपन एक समस्या के रूप में सामने आ रहा है, लोगों की सक्रियता एवं क्रियाशीलता में कमी आना एवं वयस्कों में शारीरिक निष्क्रियता का बढ़ना चिन्ता का सबब है। इस दृष्टि से प्रतिष्ठित लैंसेट ग्लोबल हेल्थ जर्नल की वह हालिया रिपोर्ट आईना दिखाने वाली है जिसमें पचास फीसदी भारतीयों के शारीरिक श्रम न करने का उल्लेख है। महिलाओं की स्थिति ज्यादा चिंता बढ़ाने वाली है। उनकी निष्क्रियता का प्रतिशत 57 है। वैसे अकेले पुरुषों की निष्क्रियता का प्रतिशत 42 है। इस अध्ययन में यह अनुमान लगाया गया है कि अगर वर्तमान में तेजी से पसर रहा आलसीपन एवं शारीरिक निष्क्रियता इसी तरह जारी रहा तो 2030 तक भारत में अपर्याप्त शारीरिक सक्रियता वाले वयस्कों की संख्या बढ़कर साठ प्रतिशत तक पहुंच जायेगी, जो चिन्ताजनक है।

लैंसेट ग्लोबल हेल्थ रिपोर्ट के अनुसार, भारत की आधी वयस्क आबादी विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के शारीरिक गतिविधि संबंधी मानदंडों को पूरा नहीं कर रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि देश के वयस्कों में अपर्याप्त शारीरिक सक्रियता का पैमाना 2000 में 22.3 फीसदी से बढ़कर 2022 में 49.4 फीसदी हो गई है, साथ ही इसमें बताया गया है कि देश में महिलाएं पुरुषों की तुलना में ज्यादा शारीरिक रूप से ज्यादा निष्क्रिय हुई हैं। इस निष्क्रियता, आलसीपन एवं उदासीनता का कारण बढ़ते उपभोक्तावाद एवं शहरीकरण से उपजी सुविधावादी एवं आरामदायक जीवनशैली है। इसके कारण बीमारियां भी बढ़ रही है। क्योंकि जब व्यक्ति को सुस्त, निढ़ाल एवं निस्तेज देखा जाता है तो इसका सीधा अर्थ यही लगाया जाता है कि शायद उसकी तबीयत ठीक नहीं है। विडम्बना यह भी है कि समय के साथ विस्तृत होने दायरे के बीच ज्यादातर लोगों की व्यस्तता तो बढ़ी है, मगर उनकी शारीरिक सक्रियता, उत्साह एवं जोश में तेजी से कमी आई है, जो नये बनते भारत एवं सशक्त भारत के निर्माण के संकल्प के सामने एक बड़ी चुनौती है।

भविष्य के भारत को लेकर सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि देश की साठ प्रतिशत आबादी अगर शारीरिक रूप से पर्याप्त सक्रिय नहीं रहे तो आने वाले वक्त में यहां की आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक रूप से कैसी तस्वीर बनेगी। जिस देश की अधिकांश आबादी के सामने रोजी-रोटी की समस्या जटिल एवं अहम है, वहां के लोगों को जीवन चलाने के लिये शारीरिक रूप से जरूरत से ज्यादा सक्रिय रहते हुए श्रम करना पड़ता है। इन स्थितियों में बड़ा सवाल खड़ा हो गया है कि भारत में ऐसे हालात कैसे पैदा हो रहे हैं कि यहां इतनी बड़ी आबादी सुस्त एवं आलसी होती जा रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन सहित शोधकर्ताओं का मानना है कि भारत एशिया प्रशांत में उच्च आय वर्ग वाले देशों में निष्क्रियता के क्रम में दूसरे स्थान पर है।

निस्संदेह, लैंसेट ग्लोबल हेल्थ जर्नल की हालिया रिपोर्ट आंख खोलने वाली है, रिपोर्ट गंभीर चिन्तन-मंथन की आवश्यकता को भी उजागर कर रही है।। यह जानते हुए भी कि भारत लगातार मधुमेह और हृदय रोग जैसी बीमारियों में जकड़ता हुआ बीमार राष्ट्र बनता जा रहा है।

इन असाध्य बीमारियों का कारण कहीं-न-कहीं श्रम की कमी एवं सुविधावादी जीवनशैली ही है। दरअसल, आजादी के बाद देश में आर्थिक विकास को गति मिली है। अब हम दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। औसत भारतीय के जीवन स्तर में सुधार जरूर आया है तो आम नागरिक का जीवन सुविधावादी भी बना है। इस संकट की वजह शहरीकरण और जीवन के लिये जरूरी सुविधाओं का घर के आस-पास उपलब्ध हो जाना भी है, आनलाइन प्रचलन भी बड़ा कारण बन रहा है। पहले देश की साठ फीसदी से अधिक आबादी कृषि व उससे जुड़े श्रमसाध्य कार्यों में सक्रिय थी। लेकिन अब मेहनतकश किसान को कोई शारीरिक श्रम करने की जरूरत नहीं पड़ती है, कृषि की ही तरह अन्य श्रम से जुड़े कार्यों में भी मेहनत एवं श्रम पहले ही तुलना में कम करना पड़ता है क्योंकि धीरे-धीरे कृषि एवं अन्य क्षेत्रों में आधुनिक यंत्रों व तकनीकों ने शारीरिक श्रम की महत्ता को कम किया है। कृषि-क्रांति से बड़ी संख्या में निकले लोगों ने शहरों को अपना ठिकाना बनाया, लेकिन वे शारीरिक सक्रियता को बरकरार नहीं रख पाये। इन स्थितियों ने भी व्यक्ति को आलसी, अकर्मण्य एवं सुस्त बनाया है। इस शारीरिक निष्क्रियता के मूल में भारतीय पारिवारिक संरचना व सांस्कृतिक कारण भी हैं।

घर-परिवार संभालने वाली महिलाओं में भी बढ़ते सुविधा के साधनों के कारण श्रमशीलता कम हुई है। कुछ दूर पर सब्जी-फल लेने जाने पर भी हम वाहनों का इस्तेमाल करते हैं।

ऐसा भी नहीं है कि शहरों में स्वास्थ्य चेतना का विकास नहीं हुआ, लेकिन इसके बावजूद शहरों के पार्कों में सुबह गिने-चुने लोग ही नजर आते हैं। व्यक्तियों में प्रात: भ्रमण, योग, ध्यान, व्यायाम की गतिविधियों में भी कमी देखने को मिल रही है।

इस जटिल से जटिलतर होती समस्या से मुक्ति के लिये हर व्यक्ति को जागरूक होना होगा। खुद को छोटी-मोटी असुविधाओं के लिए तैयार करना होगा। कभी-कभार थोड़ा कम नींद लेने, कम खाने या फिर ज्यादा देर काम कर लेने की मानसिकता को बल देना होगा। जरा सी चुनौती सामने आने पर बेचैन न हों, उसे नया सीखने के मौके व नए अनुभव के रूप में देखना होगा।

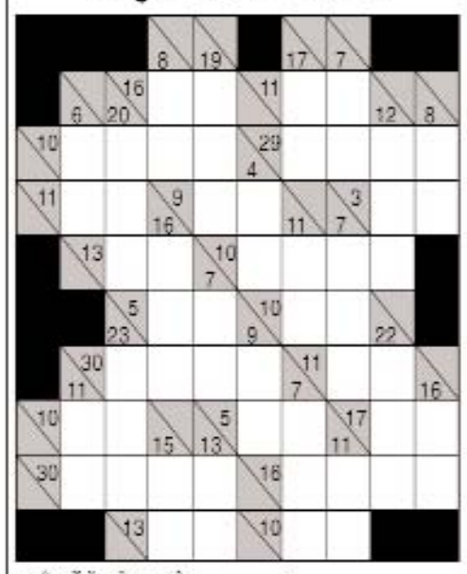

अक्सर जब कुछ नया करने के लिए कदम बढ़ाते हैं, तो पुरानी आदतें एवं आराम की मानसिकता तुरंत परीक्षा लेने आ जाती हैं। हमें ललचाती हैं या फिर खुद को थोड़ा ढील देने के लिए कहती हैं।

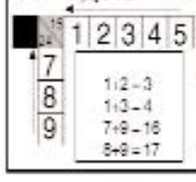

मन भी खुद को बड़ी आसानी से समझाने लगता है कि कुछ देर और सो जाने, और मीठा खा लेने, फोन पर बात करने या काम को कल पर टालने से कुछ गड़बड़ नहीं होगा। कुल मिलाकर हम मन के बहकावे में आने लगते हैं और खुद को छूट देने लगते हैं जो हमें सुस्त, आलसी एवं निस्तेज बनाता है।

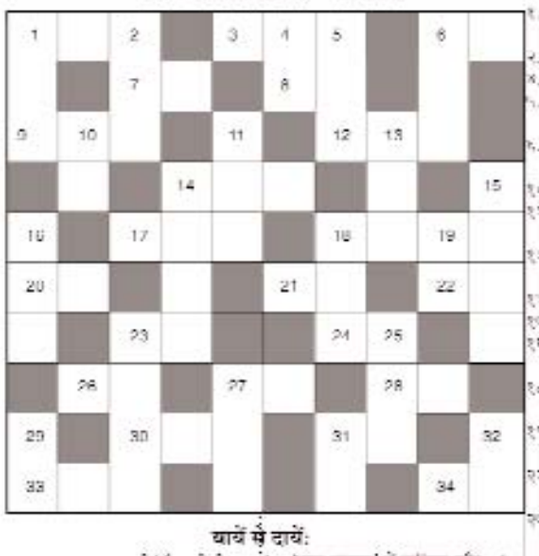

विचित्र स्थिति यह भी है कि लोगों में व्यस्तता में एक अजीब किस्म की बढ़ोतरी हुई, जीवन व्यस्त से ज्यादा अस्त-व्यस्त हुआ है। जरूरी कामों को छोड़कर तमाम लोग रोजाना पांच से सात घंटे या इससे भी ज्यादा समय अपने स्मार्टफोन या अन्य तकनीकी संसाधनों, सोशल मीडिया एवं अन्य आभासी मंचों पर समय बर्बाद करते हैं। कोरोना महामारी के दौरान वर्क फरोम हॉम का प्रचलन बढ़ा, उसने भी लोगों को ज्यादा शिथिल होने में भूमिका निभाई है। देर राज तक जगना एवं सुबह देर तक सोना, इस तरह बिगड़ती दिनचर्या एवं शरीर की प्राकृतिक घड़ी का चक्र बिगड़ने से दिन भर आलस्य बना रहता है। ताजा अध्ययन में पता चला कि 195 देशों में भारत अपर्याप्त शारीरिक सक्रियता के मामले में 12वें स्थान पर है। इसके अलावा, लैंसेट की रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक स्तर पर एक तिहाई वयस्क लगभग 1.8 बिलियन लोग 2022 में अनुशंसित शारीरिक सक्रियता को पूरा करने में विफल रहे। जिसके कारण मधुमेह एवं हृदय रोग का खतरा मंडरा रहा है। भारत, पाकिस्तान और अफगानिस्तान जैसे देशों में महिलाओं में अपर्याप्त शारीरिक गतिविधि चिंता का विषय बनी हुई है। क्योंकि वे पुरुषों की तुलना में 14-20 फीसदी से अधिक पीछे हैं। अध्ययन के अनुसार, बांग्लादेश, भूटान और नेपाल जैसे पड़ोसी देशों में महिलाएं अधिक सक्रिय हैं। भारत में बढ़ती शारीरिक निष्क्रियता, आलसीपन एवं सुस्ती को दूर करने के लिये समग्र जन-चेतना को जगाना होगा। सरकार को भी शारीरिक श्रम की योजनाओं को बल देना होगा। शारीरिक सक्रियता में कमी की वजहों और नतीजों पर अगर गौर नहीं किया गया तो इन सबका समुच्चय आखिर व्यक्ति को विचार, कर्म, शरीर से कमजोर ही नहीं बल्कि बीमार बनायेगा, जो आजादी के अमृतकाल को धुंधलाने का बड़ा कारण बन सकता है।

टाईम पास

काकुरो पहेली - 3229

काकुरो - 3228 का हल

उदाहरण:

हंसी के फूव्वारें

एक व्यक्ति ने कहा, 'आज इंसानियत है कहाँ?'

दूसरा व्यक्ति झट से बोला, 'क्यों आपके घर में 'शब्दकोश' नहीं है.

□ □ □

आप चार बार तलाक देने के बाद पाँचवीं बार विवाह करने क्यों जा रहे हैं? पहले व्यक्ति ने पूछा.

'क्यों, क्या पाँचों अंगुलियाँ बराबर होती हैं?' दूसरे व्यक्ति ने कहा.

□ □ □

पत्नी- 'आप नींद में बहुत बोलते हैं.'

पति- 'तो क्या तुम चाहती हो कि मैं नींद में भी तुम्हारी ही सुनता रहूं.'

□ □ □

रमेश बहुत शर्मीला था.

एक दिन पार्टी में उसने अपनी प्रेमिका को फूलों का एक गुलदस्ता भेंट किया. प्रेमिका एकदम से भाव-विभोर होते हुए उससे लिपट गई और उसने उसका चुम्बन ले लिया.

रमेश झेंपकर हॉल से बाहर जाने लगा. इस पर उसकी प्रेमिका ने डरते हुए पूछा- ''नाखुश हो गए ?''

''नहीं.''

रमेश जल्दी से बोला- ''नाखुश होने की कोई बात नहीं है. मैं और फूल लेने जा रहा हूं.''

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 3229

बायें से दायें:

ऊपर से नीचे:

फिल्म वर्ग पहेली - 3228

सूडोकु -3229

सूडोकु -3228 का हल

शब्द पहेली - 3229

बाएँ से दाएँ

1. बादलों की गड़गड़ाहट-4
3. नीरस, रस विहीन-4
8. नेपाल की इस नायिका ने फिल्म 'सौदागर' से अपना कैरियर शुरू किया था-3,4
10. [illegible] करना-3
11. बुड्ढा-3
13. अंक, काव्य कृति-3
15. आने वाला दिन-2
17. पर, पराया, दूसरा-2
18. हाथ-2
19. कविता लिखने वाला-2
21. बजाने वाला-3
25. कक्ष, कमरा-3
26. ठिकाना, नीड़-3
27. हमारे देश के पूर्व प्रधानमंत्री-5,2
30. अभिप्राय-4
31. आशंकित होना-4

ऊपर से नीचे

2. तन्हाई, लड़कपन-3
4. सहायता, आभार-3
5. बौछाना, गायन करना-4
6. दिखावा, पाखंड-4
7. जरूरत, स्वार्थ-3
8. राजी करना-3
9. योग्य-3
12. मसलना-3
13. इस चीज को सुहागिन पति की रक्षा हेतु उपवास रखती हैं-3
14. सुगंध, लास-3
16. [illegible] राशि-3
20. रुकना, स्थिर होना-3
22. विजय दशमी-4
23. भोर, सवेरा-3
24. बना हुआ, तर-4
25. हल, चोखा-3
28. अनुकृति-3
29. अंगार-3

शब्द पहेली - 3228 का हल

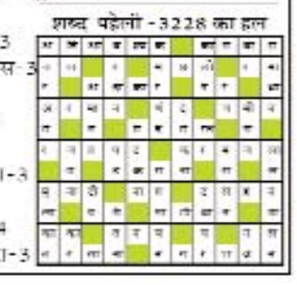

प्रतीक बिल्डर के खिलाफ एफआईआर

बायर्स ने कम साइज के फ्लैट देने की शिकायत की थी, 190 करोड़ रुपए के फ्रॉड का आरोप

नोएडा। दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने नोएडा के बिल्डर, प्रतीक ग्रुप के खिलाफ धोखाधडी का मामला दर्ज किया है। प्रतीक ग्रुप द्वारा नोएडा के सेक्टर - 107 में बनाई गई हाउसिंग सोसाइटी में घर खरीदने वाले 20 लोगों की शिकायत पर प्रतीक ग्रुप के मालिक प्रतीक तिवारी, प्रशांत तिवारी और सीनियर मैनेजर सुनील कुमार मित्तल और अंशुमन शर्मा के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

बताए गए साइज से 10-12 प्रतिशत छोटे मिले फ्लैट

घर खरीदारों का आरोप है कि बिल्डर ने कम से कम 190 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की है। उनका आरोप है कि प्रतीक एडिफिश में बेचे गए 423 फ्लैट का साइज घर खरीदारों को बताए गए आकार से 10-12 फीसदी कम है। घर खरीदार इससे पहले नेशनल कंज्यूमर डिस्प्यूट्स रिडर्सल कमीशन के पास भी गए थे।

बुनियादी सुविधा अब तक नहीं दी

शिकायतकार्ता का आरोप है अप्रैल 2012 में जो फ्लैट बुक किया था, उसे दिसंबर 2015 में देने का वादा किया गया था, लेकिन कब्जे की तारीख एक साल आगे बढ़ा दी गई। हालांकि, फ्लैट फरवरी 2019 में वितरित किये गए। यही नहीं डेवलपर ने ग्रिड बिजली, मीटर कनेक्शन, वाईफाई, रसोई गैस सुरक्षा और सीवर कनेक्शन के लिए भी अधिक शुल्क लिया।

एसोसिएशन को आईएफएमएस का पैसा भी नहीं लौटाया

पुलिस में दर्ज कराई गई एफआईआर के मुताबिक, घर खरीदारों का आरोप है कि बिल्डर ने वादे के मुताबिक सुविधाएं भी मुहैया नहीं कराई है। यही नहीं प्रतीक ग्रुप ने हाउस बायर्स से एकमुश्त लीज रेंट के रूप में भी 12.8 करोड़ रुपये लिए, जबकि नोएडा अथॉरिटी को केवल 6.4 करोड़ रुपए ही देने थे। आरोप है कि यह पैसा भी डेवलपर ने नोएडा अथॉरिटी को नहीं दिया। आरोप यह भी लगाया गया है कि बिल्डर ने फ्लैट मालिकों से 'इंटरेस्ट फ्री मेंटेनेंस सिक्योरिटी के रूप में लिए 9 करोड़ रुपए भी होम बायर्स एसोसिएशन को रिफंड नहीं किए हैं।

कमीशन ने एक आर्किटेक्ट की नियुक्ति भी घरों का साइज नापने को की थी।

आर्किटेक्चर ने भी घरों का साइज बताए गए साइज से कम बताया था। हाउस बायर्स का आरोप है कि न केवल प्रतीक ग्रुप ने घर छोटे दिए हैं। बल्कि सोसाइटी में अवैध रूप से निर्माण भी बिना प्रशासन की अनुमति लिए किया गया है।

आठ हजार नए फ्लैट के लिए पांच बिल्डर भूखंडों की योजना लॉन्च

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा में अपने घर का सपना संजोए लोगों को जल्द ही मौका मिल सकता है। ग्रेनो प्राधिकरण ने आठ हजार फ्लैट के निर्माण के लिए पांच बिल्डर भूखंडों की योजना लॉन्च कर दी है। स्कीम के ब्रोशर डाउनलोड और पंजीकरण की सुविधा मंगलवार से शुरू होगी। पांच भूखंडों के आवंटन से ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण को रिजर्व प्राइस के आधार पर करीब 500 करोड़ रुपये मिलने की उम्मीद है। भूखंडों का आवंटन ई-ऑक्शन से होगा।

इस योजना के जरिये कुल 99 हजार वर्गमीटर जमीन आवंटित की जाएगी। पांचों भूखंड ओमीक्रॉन-1ए, म्यू, सिग्मा-3, अल्फा-2 और पाई-वन व टू में स्थित हैं। सभी भूखंड 3999 वर्गमीटर से 30470 वर्गमीटर के हैं। इसके ब्रोशर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की वेबसाइट पर अपलोड कर दिए गए हैं। जिसे डाउनलोड किया जा सकता है। इन भूखंडों के लिए एसबीआई पोर्टल https://etender.sbi के जरिए ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की वेबसाइट से भी इसका लिंक दिया गया है। इस योजना में पंजीकरण की अंतिम तिथि 23 जुलाई है।

पंजीकरण शुल्क, ईएमडी (अर्नेस्ट मनी डिपोजिट) और प्रोसेसिंग फीस 26 जुलाई 2024 है। डॉक्यूमेंट सबमिट करने की अंतिम तिथि 29 जुलाई है। आवंटन होते ही इन भूखंडों पर पजेशन भी मिल जाएगा।

प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार का कहना है कि ग्रेटर नोएडा में एनसीआर में सबसे अधिक हरियाली वाला क्षेत्र है। इंफ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टीविटी के लिहाज से अन्य शहरों के मुकाबले ग्रेटर नोएडा बेहतर है। रिहायश के लिए ग्रेटर नोएडा बहुत बेहतर विकल्प है।

जेवर में पिकअप गाड़ी अज्ञात वाहन की टक्कर से पलटी

जेवर। दनकौर में सब्जी से लदी एक पिकअप गाड़ी को पीछे से एक अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। पिकअप गाड़ी असंतुलित होकर पलट गई। जिसमें सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। एक की इलाज के दौरान मौत हो गई। मामले में गाड़ी के मालिक ने अज्ञात चालक पर कोतवाली में केस दर्ज कराया है।

दिल्ली के नांगलोई निवासी कृष्ण कुमार ने बताया है कि उनकी पिकअप गाड़ी को किराए पर बेटा नितेश चलाता है। उनका कहना है कि रविवार रात उनका बेटा हाथरस के किसान पूरन(55) की सब्जी लादकर दिल्ली की आजादपुर मंडी के लिए यमुना एक्सप्रेस के रास्ते आ रहा था। उनका कहना है कि गाड़ी में बेटे के साथ किसान पूरन भी मौजूद थे। बताया जाता है कि जब उनकी गाड़ी दनकौर कोतवाली क्षेत्र में स्थित यमुना एक्सप्रेसवे पर पहुंची। उसी दौरान पीछे से एक अज्ञात वाहन ने ओवरटेक के दौरान महिंद्रा पिकअप गाड़ी को जोरदार टक्कर मार दी।

हादसा इतना भीषण था कि गाड़ी कई पलटी खाते हुए एक्सप्रेसवे पर पलट गई। जिसमें सवार उनका बेटा और किसान फंसकर घायल हो गए। गाड़ी में सब्जी भरी होने की वजह से यमुना एक्सप्रेसवे पर जाम की भी स्थिति बन गई। पुलिस ने गाड़ी को वहां से सीधा किया और बिखरी हुई सब्जी को हटाया। तभी वाहनों का संचालन हो सका।

सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान किसान की रविवार को मौत हो गई। जबकि ड्राइवर की हालत गंभीर बनी हुई है।

नोएडा में ज्यादा व्यूज के लिए टॉवर पर चढ़ा यूट्यूबर

5 घंटे तक चला रेस्क्यू ऑपरेशन, 100 फीट ऊंचा था टॉवर

गौतम बुद्ध नगर। सोशल मीडिया पर छा जाने की चाहत और ज्यादा से ज्यादा व्यूज हासिल करने के लिए युट्यूबर्स अपनी जिंदगी को भी खतरे में डालने से भी नहीं चूक रहे हैं। ऐसे ही एक घटना का वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें एक यूट्यूबर अपने साथी के साथ ग्रेटर नोएडा वेस्ट के तिगड़ी गांव में लगे मोबाइल टावर पर चढ़ गया। जबकि उसका साथी नीचे ही खड़ा लाइव वीडियो शूट कर रहा था, लेकिन इसी दौरान लोग पहुंच गए, जिन्हें देख यूट्यूबर का साथी तो भाग गया और यूट्यूबर ऊपर टावर में ही फंस गया, आखिरकार 5 घंटे के मशक्कत बाद पुलिस की मदद से उसे नीचे उतरा जा सका।

नीलेश्वर टावर पर ही फंस गया

ग्रेनो वेस्ट में रहने वाला यूट्यूबर का

नाम नीलेश्वर है, जो अपना यूट्यूब अकाउंट नीलेश्वर 22 के नाम से चलता है और उसके 8.87 हजार सब्सक्राइबर हैं। रविवार को नीलेश्वर अपने मोबाइल का व्यूज बढ़ाने के लिए अपने एक साथी के साथ ग्रेटर नोएडा वेस्ट के तिगड़ी गांव पहुंचा और 100 फीट ऊंचे मोबाइल टावर पर चढ़ गया, नीचे उसका दोस्त सारी घटना का वीडियो बनाकर लाइव स्ट्रीमिंग कर रहा था।

5 घंटे तक चला हाई वोल्टेज ड्रामा

इसी दौरान कुछ लोग भी वहां पर पहुंच गए और पूछताछ शुरू कर दी। इससे घबराकर उसका साथी भाग गया और नीलेश्वर टावर पर ही फंस गया। नीलेश्वर को टावर में फंसा देख लोगों की भीड़ वहां भीड़ इकट्ठा हो गई और कोतवाली बिसरख पुलिस को भी सूचना दे दे दी गई।

5 घंटे तक चले इस हाई वोल्टेज ड्रामा के बाद काफी मशक्कत के बाद नीलेश्वर को पुलिस नीचे उतरने में सफल रही।

इस दौरान पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम भी मौके पर आ गई यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें लोग उसे युवक से बार-बार टावर से नीचे उतरने की अपील कर रहे हैं और शोर मचा रहे हैं। हालांकि पुलिस ने काफी कड़ी मशक्कत के बाद युवक को नीचे उतार दिया।

जब वह युवक नीचे आया तो उसने बताया कि उसका नाम नीलेश्वर पांडे है और वह काफी डिप्रेशन में था। वह जिंदगी में कुछ नहीं कर पाया ,इसीलिए टावर पर चढ़ गया।

हालांकि लोगों का कहना है कि वह यूट्यूब पर व्यूज बनाने के लिए ही टावर पर चढ़ा था।

नोएडा में मिला देश का पहला इचिथोसिस स्क्लेरोसिंग का केस

10 लाख में 1 बच्चे में होती है बीमारी, उत्तरी अफ्रीका के मोरक्को में मिलते हैं ऐसे केस

नोएडा। सेक्टर-30 पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ चाइल्ड हेल्थ के डॉक्टरों ने दो महीने के बच्चे में नवजात इचिथोसिस-स्क्लेरोसिंग कोलेंजाइटिस सिंड्रोम नामक दुर्लभ बीमारी की पहचान कर इलाज शुरू किया है। समय पर बीमारी की पहचान से इलाज आसान होगा। मेडिकल जेनेटिक विभाग के डॉ. मयंक निलय का कहना है कि मुजफ्फरनगर के एक डॉक्टर ने जांच में संदेह होने पर बच्चे के परिवार को चाइल्ड पीजीआई जाने की सलाह दी थी।

जेनेटिक जांच के बाद बिमारी का लगा पता

बच्चे की जेनेटिक्स जांच कराई है। जांच पर पता चला कि बच्चे को नवजात इचिथोसिस-स्क्लेरोसिंग कोलेंजाइटिस (एनआईएससीएच) सिंड्रोम नामक दुर्लभ बीमारी है। 10 लाख में एक बच्चा बीमारी से पीड़ित मिलता है।

अब तक ज्यादातर केस उत्तरी अफ्रीका के मोरक्को में मिले हैं। भारत में अब तक इस बीमारी का एक भी केस रिकॉर्ड नहीं किया गया है। भारत में यह पहला केस है जो रिकॉर्ड किया गया है।

इस बीमारी से त्वचा और यकृत दोनों होते है इफेक्ट

नवजात इचिथोसिस-स्क्लेरोसिंग कोलेंजाइटिस एक दुर्लभ जेनेटिक विकार है। जिसमें त्वचा और यकृत दोनों प्रभावित होते हैं। जहां इचिथोसिस एक त्वचा की स्थिति है जिससे त्वचा सूखी, मोटी और परतदार हो जाती है।

वहीं स्क्लेरोसिंग कोलेंजाइटिस यह यकृत की एक बीमारी है जिसमें यकृत की बाइल नलिकाएं सूजन ग्रस्त और स्कारड हो जाती हैं। जिससे यकृत के कार्यों में रुकावट होती है। इस स्थिति का सही निदान और इलाज काफी जटिल होता है।

ये होते है बीमारी के प्रमुख कारण

इसके प्रमुख कारणों में सीएलडीएन 1 जीन है। सीएलडीएन 1 जीन विशेष रूप से त्वचा और यकृत की कार्यप्रणाली में महत्वपूर्ण होता है। इस जीन में म्यूटेशन नवजात इचिथोसिस-स्क्लेरोसिंग कोलेंजाइटिस जैसी स्थितियों से संबंधित हो सकता है, जो त्वचा की परत और यकृत की बाइल नलिकाओं में समस्याएं उत्पन्न करता है। सीएलडीएन 1 जीन की म्यूटेशन से त्वचा और यकृत दोनों में समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं, जिनमें त्वचा की सूखापन, मोटापन, और यकृत की सूजन शामिल हैं।

नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत करेंगे अफसर

ग्रेटर नोएडा। जनपद के सभी परिषदीय विद्यालयों में सोमवार को जिलाधिकारी और सीडीओ समेत 63 अधिकारी बच्चों का स्वागत करेंगे। सभी अधिकारी टीका लगाकर छात्रों को कक्षाओं में बैठाएंगे। सीडीओ ने सभी अधिकारियों को स्कूल आवंटित किए हैं। सुबह 8 से 9 बजे तक अधिकारी स्कूल में ही मौजूद रहकर विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ाएंगे।जनपद के 511 परिषद विद्यालयों में एक जुलाई को जिलाधिकारी और सीडीओ समेत 63 अधिकारियों की ड्यूटी बच्चों का स्वागत करने के लिए लगाई गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्कूल चलो अभियान को गति देने के लिए यह निर्णय लिया है। पहली बार प्रदेश में सभी अधिकारी जाकर नवप्रवेशित छात्रों का तिलक कर उन्हें कक्षाओं में बैठाएंगे। इससे अभिभावकों पर भी एक अच्छा प्रभाव पड़ेगा और वह विद्यालयों में बच्चों को नियमित रूप से भेजेंगे। इससे स्कूलों में छात्रों की संख्या भी बढ़ेगी। साथ ही स्कूल से बाहर के बच्चों को भी स्कूल प्रणाली में लाने के प्रयास को बल मिलेगा। परिषदीय स्कूलों में लगातार छात्रों की संख्या को बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। इसके लिए विभिन्न योजनाएं तैयार की गई हैं। इस बार प्रदेश सरकार ने अधिकारियों को बच्चों की स्वागत करने की जिम्मेदारी दी है। ताकि बच्चों का मनोबल बढ़े और वह विद्यालयों में और ध्यान लगाकर पढ़ें। साथ ही इस दौरान अफसर अपना अनुभव भी छात्रों के साथ साझा करेंगे। जिससे उन्हें आगे बढ़ाने की प्रेरणा मिलेगी। पिछले वर्ष के मुकाबले इस वर्ष परिषदीय विद्यालय में नामांकन कम हुए हैं। इस वर्ष करीब 15 हजार नए छात्रों के नामांकन हुए हैं। इनके लिए एक जुलाई से विद्यालय खुलेंगे।

नोएडा के किसान 3 जुलाई को डीएम का घेराव करेंगे

नोएडा। मांगों को लेकर किसान एक बार सड़क पर उतरने को तैयार है। प्रेस वार्ता कर संयुक्त किसान मोर्चा ने 3 जुलाई को गौतमबुद्ध नगर के डीएम का घेराव करेंगे। दरअसल चुनाव से पहले एनटीपीसी और नोएडा -ग्रेटर नोएडा किसानों की मांगों को लेकर एक हाइपावर कमेटी बनाई गई थी। जिसके अध्यक्ष राजस्व परिषद के अध्यक्ष थे। हाइपावर कमेटी में डीएम को सदस्य बनाया गया था।

भारतीय किसान परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखवीर खलीफ़ा ने बताया कि दिल्ली कूच आंदोलन को रुकवा कर हाइपावर कमेटी बनाई गई थी। आश्वासन दिया था कि तीन महीने में मांगों का समाधान किया जाएगा। इसकी रिपोर्ट आपको दी जाएगी। चार महीने बीत जाने के बाद भी एनटीपीसी के किसानों की मांग पर एक बार बैठक की गई।

इससे एनटीपीसी के किसानों में आक्रोश है। वहीं नोएडा और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के किसानों की मांग पर भी अब तक जवाब नहीं आया।

इसलिए बैठक के बाद निर्णय लिया गया कि 3 जुलाई को डीएम आवास का घेराव किया जाएगा। इसमें हजारों की संख्या में नोएडा ग्रेटरनोएडा ओर दादरी के किसान मौजूद रहेंगे। घेराव के बाद डीएम से अब तक किए गए कार्य के बारे में पूरी रिपोर्ट मांगी जाएगी। इसके बाद आगे की रणनीति तैयार की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रशासन ने किसानों के साथ धोखा किया है। अब तक उनकी एक भी मांग को पूरा नहीं किया गया है। जरूरत पड़ने पर दिल्ली जाने की तैयारी भी रहेगी।

इन मांगों पर हुआ था समझौता

1997 के बाद के सभी किसानों को बढ़ी दर से मुआवजा दिया जाए। चाहे वह कोर्ट गए हो या नहीं

किसानों को 10 प्रतिशत विकसित भूखंड दिया जाए।

आबादी जैसी है वैसी छोड़ी जाए। विनियमितीकरण की 450 वर्गमीटर सीमा को बढ़ाकर 1000 प्रति वर्गमीटर किया जाए।

भूमि उपलब्धता न होने के कारण पात्र किसानों के 5 प्रतिशत आबादी भूखंड भूलेख विभाग में नहीं रोके जाएंगे। उनका नियोजन किया जाए।

जिला अस्पताल को तीन डॉक्टर मिले

नोएडा। जिला अस्पताल को तीन नए डॉक्टर मिले हैं। इन डॉक्टरों में से दो ईएनटी विशेषज्ञ और एक आकस्मिक चिकित्सा अधिकारी हैं। दो फार्मासिस्ट को चीफ फार्मासिस्ट के पद पर पदोन्नति की गई है। शासन ने सोमवार को स्थानांतरण से संबंधित सूची जारी की है। सीएचसी भंगेल के ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. मनोज कुमार का स्थानांतरण अब जिला अस्पताल में हो गया है। वहीं, जिला अस्पताल में दूसरे ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. अभिषेक आनंद होंगे। उनका स्थानांतरण हापुड़ से किया गया है। इनके अलावा आकस्मिक चिकित्सा अधिकारी के रूप में सृष्टी सिंह गौतम को जिला अस्पताल में नई तैनाती मिली है। वह पहले गाजियाबाद में थीं। इनके अलावा एक उपचारिका का स्थानांतरण जिला अस्पताल में किया गया है। एक सप्ताह के अंदर सभी डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी ज्वाइन करेंगे। हालांकि, अब भंगेल सीएचसी पर ईएनटी के मरीजों को दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। ईएनटी विशेषज्ञ का जिला अस्पताल में स्थानांतरण के बाद अब स्वास्थ्य विभाग (सीएमओ के तहत) एक भी ईएनटी विशेषज्ञ नहीं है। ऐसे में अब बधिरता स्वास्थ्य कार्यक्रम में परेशानी आ सकती है।

ग्रेटर नोएडा में पुलिस और बदमाशों में मुठभेड़

पैर में गोली लगने से एक बदमाश घायल, एक फरार

गौतम बुद्ध नगर। सेंट्रल नोएडा के बिसरख थाना क्षेत्र में पुलिस और बाइक सवार बदमाशों के बीच में मुठभेड़ हो गई। इस मुठभेड़ में एक बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गया, तो वहीं दूसरा बदमाश अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। फरार हुए बदमाश की पुलिस तलाश कर रही है, वहीं घायल बदमाश को उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया गया है।

दरअसल, रविवार रात्रि में थाना बिसरख पुलिस द्वारा चेकिंग की जा थी ,इसी दौरान एक अपाचे मोटरसाइकिल जिसपर 02 संदिग्ध व्यक्ति सवार थे को एटीएस गोल चक्कर पर रूकने का इशारा किया गया, किन्तु वह नहीं रुके और तेज रफ्तार से यूटर्न लेकर जलपुरा पुस्ता की तरफ भागने लगे।

पुलिस टीम द्वारा पीछा करने पर उन बदमाशों की मोटरसाइकिल रास्ता खराब होने के कारण फिसलकर गिर गई और मोटरसाइकिल सवार दोनों व्यक्ति भागते हुए पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से अवैध असलहा से फायर करने लगे। पुलिस द्वारा भी जवाबी कार्रवाई करते हुए फायरिंग की

गई। इसी दौरान एक बदमाश के पैर में गोली लग गई।

एक बदमाश फरार, कांबिंग जारी

बदमाश की पहचान सूरज शर्मा निवासी गाजियाबाद के रूप में हुई। पैर में गोली लगने के कारण घायल अवस्था में उसको गिरफ्तार किया गया है। घायल बदमाश के कब्जे से 01 अवैध तमंचा .315 बोर मय 01 खोखा कारतूस व 2 जिन्दा कारतूस .315 बोर व घटना में प्रयुक्त अपाचे मोटरसाइकिल व लूटी हुई 02 पीली धातु की चैन बरामद हुई है। घायल बदमाश को इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया गया। बदमाश का साथी अँधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया, जिसकी तलाश हेतु कांबिंग जारी है।

घायल बदमाश के विरूद्ध लूट ,चोरी के दर्जनों मुकदमे दर्ज है। सेंट्रल नोएडा के एडिशनल डीसीपी ह्रदेश कठेरिया ने बताया कि पुलिस मुठभेड़ के दौरान घायल अवस्था में एक बड़े ही शातिर लुटेरे को गिरफ्तार किया गया है।

यह बदमाश अपने साथी के साथ मिलकर चेन लूट की वारदातों को अंजाम दिया करता था। इसका एक साथी फरार हो गया है, उसकी तलाश की जा रही है।

शार्ट न्यूज

नोएडा की सड़क पर बाइक से स्टंट, ट्रैफिक पुलिस ने 40,500 रुपए का काटा चालान

नोएडा नोएडा में स्टंट करने के मामले थम नहीं रहे है। सोशल मीडिया पर स्टंट और रफ बाइक राइडिंग का वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें एक बाइक पर तीन युवा बैठ कर स्टंट कर रहे है। यातायात पुलिस ने वीडियो का संज्ञान लिया और बाइक का 40 हजार 500 रुपए का चालान किया। साथ ही बाइक और युवाओं की तलाश की जा रही है। ये वीडियो नोएडा के गढ़ी चौखंडी के पास के बताया गया था। वीडियो में तीन युवक बाइक पर बैठकर स्टंट कर रहे है। मेन रोड पर रफ ड्राइविंग कर रहे है। किसी ने हैल्मेट नहीं पहना है। यातायात नियमों की पूरी तरह से अनदेखी जा रही है। जिस रोड पर ये बाइक चला रहे है वहां काफी हैवी ट्रैफिक रहता है। ऐसे में खुद और दूसरों की जान भी जोखिम में डाल रहे है। बतौर इसका एक वीडियो बनाया गया ओर इंस्टाग्राम पर अपलोड किया गया। अपलोड होने के बाद किसी ने ट्रैफिक पुलिस को वीडियो टैग कर कार्रवाई के लिए कहा। वीडियो को देखकर वहां लगे सीसीटीवी फुटेज देखी गई। बाइक नंबर के आधार पर यातायात पुलिस ने 40 हजार 500 रुपए का चालान किया। वहीं युवकों की तलाश की जा रही है। डीसीपी ट्रैफिक अनिल यादव ने लोगों से अपील की कि वे इस तरह के स्टंट सड़कों पर न करे।

दो पक्षों में जमकर मारपीट, स्कॉर्पियो में तोड़फोड़

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा के दादरी थाना क्षेत्र के एक गांव में दो पक्षों में जमकर बवाल हुआ। एक महिला के मायका पक्ष के लोग ससुराल में पहुंच गए। वहां दोनों पक्षों में विवाद हुआ। विवाद इतना बढ़ गया कि पहले तो मारपीट हुई। इसके बाद गाड़ियों में तोड़फोड़ की। लोगों ने घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। पुलिस ने इस मामले में दोनों पक्षों के लोगों के खिलाफ कार्रवाई कर दी। दादरी थाना क्षेत्र के रूपवास में एक महिला के ससुराल पक्ष और मायका पक्ष में विवाद हो गया। रूपवास गांव के रहने वाले भिखारी सिंह के लड़के की शादी पल्ला गांव से हुई थी। किसी बात को लेकर घर में बहू और परिजनों में आपस में विवाद चल रहा था। बताया जा रहा है कि यह विवाद इतना बढ़ गया कि लड़की ने अपने मायके के लोगों को भी बुला लिया। मीका पक्षी सुधीर और शोभित रूपवास गांव में पहुंच गए और इसी दौरान दोनों पक्षों के बीच विवाद हो गया और यह विवाद इतना बढ़ता चला गया कि आपस में मारपीट हो गई। मारपीट होने के कुछ देर बाद ही गाड़ियों में भी तोड़फोड़ की गई। मौके पर मौजूद लोगों के द्वारा तोड़फोड़ की पूरी घटना का वीडियो बना लिया गया और वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया।

तीन दिन का वेतन नहीं देने पर चाकू पेचकस से किए थे दुकानदार पर वार

साहिबाबाद। शालीमार गार्डन थाना क्षेत्र के लोहिया पार्क पाइप मार्केट के पास पुलिस ने मुठभेड़ के बाद दुकानदार पर चाकू और पेचकस से हमला करने वाले एक बदमाश को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार बदमाश के दोस्त को पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने चाकू, पेचकस तमंचा और बाइक बरामद की है। एसीपी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि पुलिस टीम शनिवार रात लोहिया पार्क के पास पाइप मार्केट से आने वाली रोड पर चेकिंग कर रही थी। तभी सामने से एक संदिग्ध बाइक आती हुई दिखाई दी। पुलिस ने रुकने का इशारा किया। पुलिस को देखकर बाइक सवार तेजी से डीएवी स्कूल की तरफ भागने लगा। शक होने पर पुलिस ने पीछा किया। पुलिस को पीछे आता देख बाइक सवार ने पुलिस की तरफ फायरिंग कर दी। गनीमत रही कि गोली किसी को नहीं लगी। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए फायरिंग कर दी। पुलिस की गोली बाइक सवार के पैर में लगी। पुलिस ने बाइक सवार आशीष निवासी जनकपुरी को गिरफ्तार किया। गोली लगने से घायल हुए बदमाश को पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया। इसके बाद पुलिस ने आशीष के दोस्त आर्यन को भी गिरफ्तार कर लिया है।

आग में झुलसे व्यक्ति की आठ दिन बाद उपचार के दौरान मौत

साहिबाबाद। टीला मोड़ थाना क्षेत्र के न्यू डिफेंस कॉलोनी में घर के अंदर सिलिंडर लीकेज से लगी आग के मामले में आठ दिनों बाद आग में झुलसे मुकेश की मौत हो गई। इस घटना में मुकेश की पत्नी बागमती और उसकी दो बेटियां प्रिंयका, हिमानी की पहले ही मौत हो गई थी। मुकेश का बेटा भी आग में झुलसा था, उसका अभी उपचार चल रहा है। बीते 23 जून को न्यू डिफेंस कॉलोनी में सिलिंडर कटने से लगी आग लगने की घटना हुई थी। आग की घटना में मुकेश और उसके बेटे अंकित भी झुलस गए थे। एसीपी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि उपचार के दौरान मुकेश की भी मौत हो गई है। कॉलोनी में अपने जीजा नाथूराम के मकान में मुकेश किराये पर परिवार के साथ रहते थे। घटना वाले दिन नाथूराम का दामाद सोनू ग्राइंडर से गेट काट रहा था। गेट के पीछे रखा एलपीजी सिलिंडर भी कट गया था। इसी समय मुकेश की पत्नी बागमती खाना बना रही थीं और सिलिंडर से गैस का रिसाव होते ही भीषण आग लग गई थी। इस घटना में मुकेश, बागमती, उनकी बेटी प्रियंका व हिमानी, बेटा अंकित और सोनू बुरी तरह झुलस गए थे। एंबुलेंस आने में देरी से लोग अपने वाहनों से झुलसे हुए लोगों को दिल्ली के जीटीबी अस्पताल ले गए। यहां बागमती, प्रियंका व हिमानी को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया था। वहीं, 15 वर्षीय अंकित भी अस्पताल में जिंदगी और मौत से जूझ रहा है।

जमीन बेचने के नाम पर 1.20 करोड़ की ठगी

गाजियाबाद। मसूरी में जमीन बेचने के नाम पर प्रॉपर्टी डीलर से 1.20 करोड़ की ठगी की घटना सामने आई है। आरोप है कि किसान ने प्रॉपर्टी डीलर से पहले दो अन्य लोगों को भी उसी जमीन का इकरारनामा कर रखा था। इतना ही नहीं, जमीन के कुछ भाग का बैनामा भी कई लोगों को कर दिया। मामले में प्रॉपर्टी डीलर बिजेंद्र शर्मा ने कोर्ट के आदेश पर अनिल समेत पांच के खिलाफ सिहानी गेट थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। इकला गांव निवासी बिजेंद्र शर्मा ने बताया कि करीब एक साल पहले उनकी मुलाकात शकील, विनोद, जीत सिंह निवासी मसूरी से हुई थी। उन्होंने मसूरी में जेल के पास अनिल नाम के किसान की 13 बीघा जमीन बिक्री के लिए बताई थी। जमीन का सौदा तय होने के बाद उन्होंने विक्रेता के खाते में 1.50 करोड़ रुपये स्थानांतरित कर दिए। अनिल कुमार ने उनको जमीन का इकरारनामा कर दिया। इसी बीच उनको पता चला कि अनिल कुमार ने उसी जमीन का उनके बाद किसी दूसरे को इकरारनामा कर दिया है। रजिस्ट्रार ऑफिस में जानकारी करने पर सामने आया कि उसी जमीन का उनसे पहले भी दो अन्य लोगों को इकरारनामा हो चुका है। इतना ही नहीं, जमीन के कुछ हिस्से का कुछ लोगों को बैनामा भी कर दिया। जब आरोपी से उन्होंने रकम मांगी तो आरोपियों ने 30 लाख वापस कर दिए। बाकी रकम मांगने पर आरोपी उनको जान से मारने की धमकी देने लगे।

रोटरी क्लब ग्रीन ग्रेनो ने स्कूल बैग, पंखे व इनवेटर किया भेंट

ग्रेनो। रोटरी क्लब ग्रीन ग्रेटर नोएडा द्वारा क्लब के नये सत्र के पहले दिन रामकौर बालिका हाई स्कूल दुजाना में 100 बच्चों को स्कूल बैग व स्कूल में बच्चों की सुविधा के लिए 10 पंखे व 1 किलो वाट का इनवेटर भेंट किया गया। क्लब अध्यक्ष रो0 शैलेश वार्ष्णेय ने बताया कि क्लब द्वारा स्कूल में पिछले कई वर्षो से बच्चों को बैग भेंट किये जाते रहे है द्य इस वर्ष स्कूल प्रबंधक हितेंद्र नागर ने बच्चों की सुविधा के लिये क्लब से कुछ पंखों और इनवर्टर का सहयोग करने का अनुरोध किया था द्य जिसे क्लब ने सहर्ष स्वीकार कर उक्त सामान का प्रबंध किया जिसमें रो0 मनोज गर्ग ने पंखों का सहयोग किया इस अवसर पर रो0 शैलेश वार्ष्णेय, रो0 अमित राठी, रो0 के के शर्मा, रो0 विनोद कसाना, रो0 सौरभ बंसल, रो0 प्रीति अग्रवाल, रो0 निखिल गर्ग, रो0 अंकुर गर्ग, रो0 रंजीत सिंह, रो0 अनूप वर्मा व श्रीमती परमा वर्मा मौजूद रहे।

होटल में मिली प्रेमी जोड़े की लाश

संडे को लखनऊ घूमने पहुंचे-रात में कमरा बुक किया; सुबह फांसी पर लटकते मिले

लखनऊ। लखनऊ के एक होटल में प्रेमी युगल की लाश मिली है। दोनों रविवार की रात होटल पहुंचे। वहां स्टे के लिए कमरा बुक किया। सुबह जब होटल कर्मियों ने दरवाजा नॉक किया तो नहीं खुला। काफी प्रयास के बाद भी दरवाजा बंद ही रहा। फिर होटल मैनेजर ने पुलिस को मामले की जानकारी दी।

पुलिस पहुंची और कमरे का दरवाजा तोड़ा गया। वहां दोनों की लाश फंदे पर लटकती मिली है। उनके पास मिले कागजात से नाम और एड्रेस की जानकारी मिली है। पुलिस ने बताया कि लड़के का नाम मुन्ना (19) निवासी बहराइच और निकिता (19) निवासी जौनपुर के तौर पर हुई है।

जानकारी के मुताबिक दोनों रविवार को लखनऊ पहुंचे थे और घूमने के बारे में बताया था। इसके बाद वे नाका एरिया के मिनी महल होटल पहुंचे और कमरा किराए पर लिया। वहीं पर दोनों की लाश मिली है। पुलिस का मानना है कि रात में किसी वक्त दोनों ने फांसी लगाई होगी। परिजनों को सूचना दी गई है।

दोनों नहीं निकले थे होटल से बाहर

होटल के मैनेजर विकास ने बताया रविवार सुबह 7: 30 बजे दोनों यहां आए थे।

कमरा बुक किया और आधार कार्ड जमा किया। वे सिर्फ एक बार पानी लेने के लिए निकले और उसके बाद बाहर नहीं आए। सुबह चेक ऑउट के लिए हमारा स्टॉफ गया तो कोई रिस्पांस नहीं मिला।

फिर हमने 112 नंबर पर कॉल किया और पुलिस को जानकारी दी। पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा तोड़कर अंदर दाखिल हुई तो दोनों फांसी के फंदे पर लटकते मिले। इनका पता मिला है, परिजनों को जानकारी दी गई है।

नहीं मिला है कोई सुसाइड नोट

डीसीपी रवीना त्यागी ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह आत्महत्या का मामला लगता है।

आधार कार्ड पर पता मिला है, केयर ऑफ में पिता का नाम नहीं है। कोई सुसाइड नोट भी पुलिस को मौके से नहीं मिला है। फारेंसिक टीम ने भी जांच की है।

मथुरा हादसे की जांच करेगी चार सदस्यीय समिति

मथुरा। मथुरा जिले के कोतवाली क्षेत्र में पानी की टंकी के भरभरा कर गिरने की घटना की जांच के लिये अपर जिलाधिकारी के नेतृत्व में चार सदस्यीय समिति का गठन किया गया है जो एक सप्ताह में अपनी रिपोर्ट जिलाधिकारी को सौपेंगी।

ज्ञातव्य है कि क्षेत्र के कृष्ण विहार कालोनी में रविवार देर शाम हुये हादसे में दो महिलाओं की मौत हो गयी थी जबकि 12 अन्य घायल हो गये थे।

जिलाधिकारी शैलेन्द्र सिंह ने सोमवार को बताया कि अपर जिलाधिकारी न्यायिक मथुरा सुरेन्द्र कुमार के नेतृत्व में बनाई गई समिति में अधीक्षण अभियन्ता नगरीय निर्माण मण्डल जल निगम आगरा, अधिशासी अभियन्ता पीडब्ल्यूडी निर्माण विभाग प्रान्तीय खण्ड मथुरा एवं अधिशासी अभियन्ता निर्माण नगर निगम मथुरा वृन्दावन को रखा गया है। समिति एक सप्ताह में अपनी रिपोर्ट दे देगी।

उन्होंने बताया कि इस घटना में प्राथमिक जांच के बाद कार्यदायी संस्था एवं कार्य करने वाली कम्पनी के खिलाफ पुलिस रिपोर्ट दर्ज करा दी गई है।

जिला अस्पताल के अधीक्षक डा मुकुन्द बंसल ने बताया कि ओवरहेड पानी की टंकी के अचानक भरभराकर गिरने से 13 लोग मलबे के नीचे दब गए थे जिन्हे जिला अस्पताल ले जाया गया था जहां पर चिकित्सकों ने 65 वर्षीय सुन्दरी एवं 22 वर्षीय सरिता को मृत घोषित कर दिया था। एक व्यक्ति की हालत गंभीर होने के कारण उसे एस एन अस्पताल आगरा भेज दिया गया था।

शार्ट न्यूज

नए कानूनों की जागरूकता को पुलिस ने निकाली रैली

ललितपुर। 01.07.2024 को भारतीय न्याय सहिंता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम- 2023 के प्रभावी होने के दृष्टिगत रिजर्व पुलिस लाइन्स जनपद ललितपुर में पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के नेतृत्व में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया व तीनों कानूनो के सम्बन्ध में जागरूकता रैली निकालकर आमजन मानस को जागरूक किया गया तथा जनपद के समस्त थानों में भी जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मा0 राज्य मंत्री उ0प्र0 सरकार मनोहर लाल पंथ, मा0 सदर विधायक रामरतन कुशवाहा, आलोक कुमार पारासर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ललितपुर, नरेन्द्र प्रताप ओझा प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय, जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी रामरतन यादव संयुक्त निदेशक अभियोजन, ओमप्रकाश सिंह जिला विधालय निरीक्षक, राजेश कुमार दुबे जिला शासकीय अधिवक्ता विक्रम सिंह डिफेंस काउसिंल, बृजेन्द्र सिंह यादव बार एसोसियेशन अध्यक्ष, महेन्द्र जैन महामंत्री व अन्य गणमान्य व्यक्ति आदि उपस्थित रहे ।

प्रयागराज में 3 मंजिला इमारत में लगी भीषण आग

प्रयागराज। प्रयागराज शहर के राजापुर इलाके में पेंट के शोरूम में भीषण आग से अफरातफरी मच गई। तीन मंजिला मकान घनी आबादी के बीच होने से भगदड़ जैसे हालात हो गए। आसपास के लोगों ने आग बुझाने की कोशिश की। इसके बाद फायर सर्विस को सूचना दी गई। करीब 3 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद दमकल की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। कैंट क्षेत्र के राजापुर हनुमान मंदिर के पास रहने वाली राजीव पटेल ने अपने तीन मंजिला घर में ग्राउंड फ्लोर पर पेंट की दुकान खोल रखी है। तीन दुकानों में दो राजीव की है। इसके अलावा एक को उसने किराए पर दे रखा है। एक में आभूषण की दुकान है। दूसरे व तीसरे फ्लोर पर परिवार के लोग रहते हैं। रविवार रात अचानक एक दुकान में आग लग गई। धुआं उठा तो आसपास के लोगों के साथ ही राहगीरों की नजर पड़ी। वह चिल्लाने लगे तो राजीव के परिवार के लोगों को जानकारी हुई। जब तक वह नीचे उतरते, आग फैल गई थी। वह मदद की आवाज लगाने लगे। आसपास रहने वाले लोगों में खलबली मच गई। इसी बीच कैंट पुलिस पहुंच गई और अग्निशमन विभाग को जानकारी दी। मुख्य अग्निशमन अधिकारी डॉ. आरके पांडेय टीम के साथ पहुंचे।

बांदा में अधिवक्ताओं ने मनाया काला दिवस

बांदा। बांदा में आज अधिवक्ता संघ के वकीलों ने नए कानूनों को लेकर काली पट्टी बांधकर काला दिवस मनाया है। 1 जुलाई यानी आज से 3 नए कानून लागू हो रहे हैं। जिसको लेकर आज अधिवकताओं ने विरोध कर काला दिवस मनाया है। आपको बता दें कि पूरा मामला अधिवक्ता संघ के कार्यालय से सामने आया है। देश में 1 जुलाई यानी आज से नए आपराधिक कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम लागू होने जा रहे हैं। जिसको लेकर अधिवक्ता लगातार विरोध कर रहे है। बांदा में अधिवक्ता इसका विरोध पहले से कर रहे हैं। अधिवक्ता इस कानून को लेकर अनशन पर बैठे रहे। वहीं आयुक्त के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भी सौंपा हैं। आज अधिवक्ताओं ने काली पट्टी बांध कर काला दिवस मनाया है। वहीं अधिवक्ता संघ लगातार नाते कानूनों को लेकर विरोध कर रहे थे। वहीं अधिवक्ता अध्यक्ष अशोक दीक्षित ने बताया की नए कानून अधिवक्ताओं के खिलाफ अधिवक्ताओं को पंगु करने वाला है। यह कानून अधिवक्ताओं का मुंह बंद करने वाला है। इस कानून को एक तरफा पास किया गया। इससे मौलिक अधिकारों का हनन हो रहा है। हम किसी भी हाल में ये चलने नही देंगे। नया कानून हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के वकीलों का लगातार हमे समर्थन मिल रहा है।

बीए की छात्रा ने गोली मारकर दी जान

मेरठ। मेरठ के फलावदा थाना क्षेत्र में छात्रा ने तमंचे से गोली मारकर सुसाइड कर लिया है। छात्रा बीए में पढ़ती थी। घटना रविवार रात की बताई जा रही है। जब छात्रा ने खुद को गोली मारकर सुसाइड कर लिया। सोमवार सुबह घरवालों ने जब बेटी का कमरे खुलवाने का प्रयास किया तो रूम नहीं खुला। काफी देर तक अंदर से कोई आवाज न आने और रूम न खुलने पर पुलिस को बुलाया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जब रूम का दरवाजा तोड़ा तो वहां युवती की लाश मिली है। पुलिस ने लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। महलका निवासी रहीसुद्दीन रविवार रात अपने दो बेटों के साथ आंगन में सोया हुआ था, जबकि उसकी पत्नी पड़ोसी गांव नगल में गई हुई थी। 18 वर्षीय बड़ी बेटी हिना कमरे में सो रही थी। रात में किसी वक्त हिना ने सिर से सटाकर तमंचे से गोली मारकर आत्महत्या कर ली। गोली चलने का पता परिजनों को रात में नहीं लग पाया। सोमवार सुबह परिजनों ने कमरे का दरवाजा खोलने का प्रयास किया, लेकिन अंदर से कुंडी लगी हुई थी। सूचना पर थाना प्रभारी राजेश कुमार काम्बोज और सीओ मवाना घटनास्थल पहुंच गए। दरवाजे को तोड़कर अंदर गए तो वहां हिना के सिर में गोली लगी हुई थी। मौके पर 12 बोर का तमंचा भी पड़ा हुआ था। फलावदा थाना प्रभारी राजेश कुमार का कहना है की प्रथम दृष्टया यह आत्महत्या का मामला है।

लखनऊ में कठौता झील की बाउंड्री गिरी

लखनऊ। लखनऊ से बड़ी खबर है। यहां सड़क धंसने से कठौता झील की बाउंड्री गिर गई। गड्ढा होने से बिजली पोल, ट्रैफिक सिंगल लाइट, स्ट्रीट लाइट और एक पान की गुमटी इसमें समा गई। बाउंड्री गिरने से पूरी गंदगी झील में चली गई। सोमवार सुबह नगर निगम की तरफ से करीब 1100 मीटर लंबा नाली निर्माण का काम किया जा रहा था। ठेकेदार की तरफ से तीन फीट से ज्यादा खुदाई कर दी गई। इससे बाउंड्री की नींव कमजोर हो गई और भरभरा कर गिर गई। बाउंड्री के गिरने से सड़क 20 मीटर तक धंस गई। बता दें, कठौता झील से पूरे गोमती नगर और इंदिरा नगर को पानी की सप्लाई होती है। करीब 10 लाख लोग कठौता झील का ही पानी पीते हैं। जलकल जेई बीएन द्विवेदी ने बताया कि यहां नाली बनाने को लेकर नगर निगम को पत्र लिखा गया था। लेकिन वहां से जवाब आया कि इसका निर्माण होना जरूरी है। जबकि नाली का निर्माण झील के बाउंड्री से लगाकर किया जा रहा है। ठेकेदार और कर्मचारियों ने काम में लापरवाही दिखाई जिससे सड़क धंस गई। सोमवार दोपहर तक सड़क को ठीक नहीं किया गया था। हालांकि इस दौरान जलकल के अधिकारी और कर्मचारी वहां पर मौजूद थे। यहां पिछले साल भी बारिश में सड़क खराब हुई थी। सड़क टूटने की वजह से पूरे इलाके का पानी झील के अंदर चला गया था। उस समय इलाके के पार्षद शैलेन्द्र वर्मा ने इसको लेकर विरोध भी दर्ज कराया था। लखनऊ की मेयर सुषमा खर्कवाल ने भी इलाके का दौरा कर काम की गुणवत्ता को सही करने का आदेश दिया था।

नशीले इंजेक्शन की खेप के साथ युवक गिरफ्तार

महराजगंज। महराजगंज में नशीली दवाओं और इंजेक्शन के तस्करी का धंधा थमने का नाम नहीं ले रहा है। भारत नेपाल सरहद पर पुलिस और एसएसबी की संयुक्त टीम ने एक बार फिर एक युवक के कब्जे से प्रतिबंधित नशीले इंजेक्शन की खेप बरामद किया है। इस मामले में पुलिस ने आरोपित युवक के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर जेल भेजने की कार्रवाई की है। सीमा पर जवान पेट्रोलिंग पर थे। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर क्षेत्र के भरवलिया गांव के पास संयुक्त टीम ने एक बाइक सवार संदिग्ध युवक को गिरफ्तार किया है। पूछताछ के दौरान युवक ने अपना नाम रवींद्र साहनी पुत्र दधीबल साहनी निवासी चटिया बताया है। बताया जा रहा है युवक नशीली दवा की खेप लेकर भारतीय सीमा क्षेत्र से लेकर नेपाल राष्ट्र में तय लोकेशन पर सप्लाई देने जा रहा था। बरामदगी व गिरफ्तारी करने वाली संयुक्त टीम में लक्ष्मीपुर खुर्द चौकी इंचार्ज ब्रह्म कुमार उपाध्याय, मनोहर यादव, एसएसबी कंपनी कमांडर शिव पूजन प्रसाद सहित अन्य जवान मौजूद रहे। इस मामले में एसओ योगेंद्र कुमार ने बताया की नशीली दवाओं के साथ एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है।

प्रेमी ने की थी प्रेमिका की गला काटकर हत्या

शादी का दबाव बना रही थी, पहले से शादीशुदा था युवक

उन्नाव। उन्नाव के माखी थाना क्षेत्र में हुए दो दिन पहले युवती हत्याकांड में पुलिस ने हत्यारोपी प्रेमी को गिरफ्तार कर कोर्ट के आदेश पर जेल भेज दिया है। पुलिस ने हत्यारोपी की निशानदेही पर आलाकत्ल चाकू बरामद किया है। मामले में घटना का खुलासा करते हुए पुलिस ने आरोपित के मोबाइल की काल डिटेल तथा अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के आधार गिरफ्तार कर कार्रवाई की है।

माखी थाना क्षेत्र के अमलोना गांव में गुरुवार की रात सरदार यादव की बेटी मोहनी की चाकू से गला रेत कर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने मृतका की भाभी की काल डिटेल के आधार पर सुनील पुत्र राम लखन निवासी बाबूखेड़ा अचलगंज को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया था।

पुलिस की पूछताछ में उसने बताया कि मृतका मोहनी के साथ उसका प्रेम प्रसंग चल रहा था। इसी बीच उसकी शादी तय हो गई। लेकिन मोहिनी शादी वहां नहीं करना चाहती थी। मोहिनी सुनील से ही शादी करना चाहती थी जबकि सुनील पहले से ही शादीशुदा था।

हत्या का केस दर्ज कर जेल भेज दिया गया है

वह शादी की बात आने पर पीछे हट रहा था जबकि मोहिनी उसका साथ नहीं छोड़ने की बात कह रही थी। इसी बात को लेकर सुनील ने गुरुवार रात उसको मिलने के लिए बुलाया और चाकू से गला रेत कर मौके से भाग निकला था। पुलिस आरोपी को लेकर घटना स्थल पर पहुंची और उसकी निशानदेही पर कूड़े के ढेर के नीचे छिपाया गया आलाकत्ल चाकू बरामद कर लिया।

फिर उसे लेकर बाबूखेड़ा गांव पहुंची। जहां आरोपित का मोबाइल बरामद किया।

पेड़ से लटका मिला युवक का शव

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ के महेशगंज थाना क्षेत्र के गरीबपुर गांव में खेत की रखवाली करने गए युवक का संदिग्ध परिस्थिति में नीम के पेड़ पर लटकता शव मिला। परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया। मृतक के हाथ और पैर तार से बंधे हुए थे। परिजनों ने आरोप लगाया की रस्सी और तार से गला दबा कर बेटे की हत्या की गई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। प्रतापगढ़ के महेशगंज थाना क्षेत्र के गरीबपुर गांव में श्याम बाबू गुप्ता खेत की रखवाली करने के लिए गया था। वहां आज सुबह जब ग्रामीण शौच के लिए गए थे। वह नीम के पेड़ पर संदिग्ध परिस्थिति में शव लटकता हुआ मिला। ग्रामीणों ने परिजनों को सूचना दी। बताया जा रहा की मृतक श्याम बाबू गुप्ता का हाथ पैर तार और रस्सी से बंधा हुआ था। मृतक के पिता ने आरोप लगाया की मेरे बेटे को गला दबा कर हत्या करके पैर और हाथ बांध नीम के पेड़ पर लटकाया गया है। सूचना पर पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची।

कानपुर में स्टेशनरी बिजनेसमैन की हत्या

नुकीले हथियार से किया गया हमला, घर के बाहर बरामदे में मिली डेड बॉडी

बिल्हौर। कानपुर के बिल्हौर में रविवार रात घर के बाहर सो रहे स्टेशनरी बिजनेसमैन की नुकीले हथियार से हमला कर हत्या कर दी गई। सुबह जागने पर परिजनों को घटना की जानकारी हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

बिल्हौर थाना क्षेत्र के घिमऊ गांव निवासी श्रीराम तिवारी (30) घर से ही स्टेशनरी का कारोबार करते थे। उनके बड़े भाई गणेश तिवारी बिल्हौर तहसील में विधि से जुड़े काम और दूसरा बड़ा भाई सुखदेव एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करता है। परिवार में मां सुनीता देवी, भाभी और उनका बेटा साथ में रहता है। जबकि पिता की पहले ही मौत हो चुकी है।

सुबह जागने पर हुई घटना की जानकारी

भाई गणेश के अनुसार, देर रात में खाना खाने के बाद श्रीराम तिवारी ने कुछ देर टीवी देखी और इसके बाद लगभग साढ़े ग्यारह बजे नए घर के

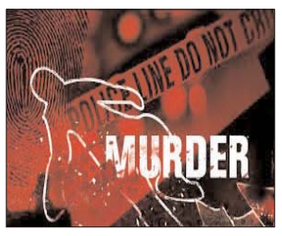

बाहर बरामदे में चारपाई पर लेट गया था।

सुबह लगभग साढ़े पांच बजे मां उठने के बाद घर के बाहर पहुंची और बेटे को जगाने का प्रयास किया, तभी घटना देख चीख पड़ी। मां के चीखने पर सभी परिजनों सहित कई ग्रामीण मौके पर पहुंच गए।

सिर पर नुकीली चीज से किया हमला

मृतक का शव चारपाई पर पड़ा हुआ था। सिर पर बाईं तरफ किसी नुकीली चीज से हमला किया गया था, जिससे खून बह रहा था और चेहरा नीला पड़ा हुआ था। भाई गणेश की सूचना पर थाना प्रभारी केशव तिवारी भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। घटना की जांच पड़ताल शुरू की। पुलिस ने घटना स्थल के साक्ष्य जुटाने के लिए फॉरेंसिक टीम को घटना की सूचना दी।

5 साल से कर रहा था कॉपी-किताब का व्यापार

श्रीराम तिवारी घर से ही पांच साल से कापी किताब बेचने का व्यापार कर रहा था। लोगों की माने तो वह बिल्हौर से लेकर रसूलाबाद तक कापी किताबों की थोक सप्लाई करता था।

चार दिन से बंद थे सीसीटीवी कैमरे

परिजनों के अनुसार, नए घर में काफी किताबों का भंडार रहता है। चोरी आदि से बचने के चलते कैमरे लगाए गए थे। चार दिन के कैमरे खराब पड़े थे। परिजनों ने किसी से कोई दुश्मनी होने से इनकार किया है। वहीं पुलिस आशनाई और आर्थिक पहलुओं को लेकर मामले की जांच कर रही है।

काशी विश्वनाथ परिक्षेत्र में लाखों के गुंडा-टैक्स को लेकर फायरिंग

200 दुकानदारों से रोज 100-200 रुपए वसूले जा रहे, दो गुटों में वर्चस्व की जंग

वाराणसी। वाराणसी में रविवार दोपहर मीरघाट पर फायरिंग और जानलेवा हमला वर्चस्व की लड़ाई और दबंगई में हुआ। विश्वनाथ मंदिर की बाउंड्री, मणिकर्णिका मार्ग और कॉरिडोर के आसपास की फूल, पूजन सामग्री और धार्मिक सामग्री की करीब 200 दुकानों से हर महीने लाखों का गुंडा टैक्स वसूला जा रहा है।

सपा नेता के घर पर पथराव, फायरिंग और जानलेवा हमले की असली वजह भी वसूली है। घाट से लेकर मंदिर तक की इन दुकानों पर अब तक वसूली में बंटवारा था। अब दोनों गुट पूरी तरह से अपनी कब्जेदारी में जुटे हैं। दिनदहाड़े गोलियां बरसाकर और दबंगई दिखाकर प्रशासन को चुनौती के साथ दुकानदारों में धौंस जमाना भी हमलावरों का प्लान था।

कैमरे से बोलने से डर रहे दुकानदार, बोले- रोज 100-200 रुपए यादव गैंग को देते हैं

काशी विश्वनाथ परिक्षेत्र में वसूली गैंग का रेट तय है। केवल फूल-माला बेचने वालों से नहीं, बल्कि बड़ी दुकान वालों से भी वसूली की जाती है। पुलिस की नाक के नीचे दबंग दुकानों से गुंडा टैक्स वसूलते हैं। मामले में पुलिस जानकर भी अनजान बनी रहती है या उनकी मूक सहमति शामिल रहती है। घाट किनारे दुकानदारों से भास्कर रिपोर्टर ने बात की तो वे कैमरे पर खुलकर बोले से कतरा रहे थे। दुकानदारों ने बताया कि फूल-माला वाले हर दिन 100-200 रुपए गुंडाटैक्स देते हैं।

एक नहीं, कई लोग महीने में आ जाते हैं और वसूली कर जाते हैं। हर फूल माला वाले महीने में 3 से पांच हजार रुपए यादव गैंग से जुड़े लोगो को देकर अपनी सुरक्षा रखते हैं।

मीरघाट क्षेत्र में फूलमाला बेचने वालों की संख्या लगभग 200 है तो इसके अलावा साड़ी की दुकान, पूजा सामग्री, धार्मिक सामग्री के दुकानदारों से महीने के हिसाब से वसूली होती है। मणिकर्णिका मोक्ष द्वार से लेकर घाट तक की तमाम दुकानों पर वसूली ही रविवार को हुई फायरिंग की जड़ है।

मोटर बोट पर सवार होकर आए थे 38 हमलावर

रविवार को सपा नेता विजय यादव के परिवार समेत हत्या के इरादे से 10-12 नहीं, 38 हमलावर आए थे। पांच के हाथ में पिस्टल और तमंचा था तो 17 के हाथ लाठी-डंडा और धारदार हथियार थे। हमलावर मोटर बोट में रॉड, लाठी, असलहा लेकर आए थे। काशी विश्वनाथ मंदिर परिक्षेत्र में फायरिंग और दहशत फैलाने की फुलप्रूफ प्लानिंग थी। वारदात के लिए पुलिस ड्यूटी चेंज होने का समय चुना गया। विजय के घर पहुंचने के लिए सड़क नहीं, जलमार्ग को चुना। हमलावर मणिकर्णिका घाट, ललिता घाट के सामने से होते हुए मीरघाट पहुंचे। वहां मोटर बोट से उतरकर सभी विजय यादव के घर की गली में पहुंचते ही गालियां देने लगे। आसपास के दुकानदारों को धमकाते हुए विजय यादव के घर पर पथराव, फायरिंग शुरू कर दी।

फतेहपुर में बोरी में मिला 9 साल के बच्चे का शव

फेस प्लास्टिक से कवर, हाथ-पैर बंधे हुए

फतेहपुर। फतेहपुर में एक 9 साल के बच्चे का शव पीले रंग की बोरी में बंद मिला है। मदरसे के पीछे बने कुएं में शव को फेंका गया था। बच्चे का फेस प्लास्टिक से लिपटा हुआ है और हाथ-पैर रस्सी से बंधे हुए हैं। बच्चे ने काले कलर का लोवर पहन रखा है। बताया जा रहा है, बच्चा 5 दिन पहले मदरसे में पढ़ाई करने आया था।

तब से वो यहीं रुका हुआ था। शनिवार की शाम को वो मदरसे से घूमने निकला और लापता हो गया। तब से परिवार वाले उसकी तलाश कर रहे थे। पुलिस को भी जानकारी दी गई थी। आज सोमवार को बच्चे का शव मिला है। ये मामला फतेहपुर के मलवां थाना क्षेत्र के सौरा गांव का है।

पुलिस के सामने बोरी को खोला गया, निकला शव

सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने गांव और मदरसे के कुछ लोगों को परिवार के आरोप और शक के आधार पर पूछताछ के लिए उठाया है।

बच्चे के शव को देखने वाले चारवाह ने बताया, वो बकरियों को लेकर कुएं के पास आया था। तभी उसको एक पीले रंग की बोरी कुएं में उतराती मिली। बोरी देखकर उसको कुछ शक हुआ। उसके गांव के अन्य लोगों को सूचना दी। पुलिस को भी मौके पर बुलाया गया।

पुलिस के सामने बोरी को बाहर निकाला गया। जब बोरी को खोला गया तो बच्चे का शव निकला। शव पर चोट के कोई निशान नहीं है। शव 1 दिन पुराना ही लग रहा है। बच्चे का घर मदरसे से 2 किलोमीटर की दूरी है। बच्चे का नाम आलिम है। वो अपने घर का अकेला बच्चा था।

डीआईजी ने नए आपराधिक कानून के सफल एवं प्रभावी क्रियान्वयन हेतु दिए दिशा-निर्देश

ललितपुर। झांसी, देश की प्रगति को उन्मुख नए कानून से होगा बड़ा बदलाव नए कानून में पीड़ितों को केन्द्र में रखकर गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध समस्याओं का निस्तारण पुलिस उपमहानिरीक्षक, झाँसी परिक्षेत्र, झाँसी कलानिधि नैथानी द्वारा दिनांक 01.07.2024 से लागू हो चुके नए आपराधिक कानून (भारतीय न्याय सहिंता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम) के सफल एवं प्रभावी क्रियान्वयन हेतु रेंज के जनपद झाँसी के थाना सीपरी बाजार में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में उपस्थित संभ्रान्त व्यक्तियों, आम जनमानस से चर्चा कर नये नियमों की जानकारी दी गई साथ ही पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारीगणों की भी दिशा निर्देश दिए गए। डीआईजी झाँसी द्वारा बताया गया कि भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 दिनांक 01.07.2024 से लागू हो चुके है जो कि क्रमशः भारतीय दण्ड संहिता 1860, दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 की जगह लेंगे। जिसमें आपराधिक न्याय प्रणाली को सशक्त, आधुनिक और वैज्ञानिक आधार प्रदान करने के लिए, कानूनी प्रावधानों में पारदर्शिता लाने, तकनीक व फोरेन्सिक की सहायता से जांच की गुणवत्ता में उन्नति के लिए तथा विभिन्न प्रक्रियाओं में समय सीमा निर्धारित करने आदि प्रावधान सम्मिलित है ताकि आपराधिक मामले में दोषसिद्धि दर में सुधार हो सके और निर्धारित समय सीमा के तहत पीड़ित को न्याय मिल सके।

देवरिया में वकीलों का प्रदर्शन जारी

देवरिया। देवरिया के जिलाधिकारी अखंड प्रताप सिंह के खिलाफ वकीलों का धरना प्रदर्शन सोमवार को जारी रहा। सिविल कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सिंहासन गिरी से तकरार के बाद आक्रोशित वकीलों ने आज हड़ताल के 13 वें दिन डीएम की प्रतीकात्मक शव यात्रा निकाली और पुतला फूंक कर विरोध व्यक्त किया। श्री गिरी और कलेक्ट्रेट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय मिश्रा के नेतृत्व में सैकड़ों वकीलों ने जिलाधिकारी के खिलाफ नारेबाजी की और उनके तबादले की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। वकीलों ने डीएम के पुतले को लिटाकर कचहरी परिसर में घुमाया और सिविल लाइन रोड पर पुतले का दहन किया। गिरी ने कहा कि जबतक जिलाधिकारी अखंड प्रताप सिंह का यहाँ से स्थानान्तरण और उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं होती है, तब तक वकील अपना आन्दोलन जारी रखेंगे।

अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल ने मुख्य विकास अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

ललितपुर। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल द्वारा जिला अध्यक्ष सुमित अग्रवाल के नेतृत्व में एक ज्ञापन जिला मुख्य विकास अधिकारी को दिया जिसमें बताया गया है कि ग्रामीण अंचलों में आकाशीय बिजली (गाज) गिरने से होंने वाली जन, धन, पशु हानि रोकने को तड़ित चालक यंत्र लगाए जाने बाबत। उन्होंने बताया है कि बुंदेलखंड का सबसे पिछड़ा जनपद होने के साथ ही ललितपुर पथरीला इलाका है इस वजह से यहाँ जमीन का आकर्षण ज्यादा है, प्रत्येक वर्ष बरसात के मौसम में बादलों के घर्षण से उत्पन्न होने वाली आकाशीय बिजली (गाज) गिरने से प्रदेश भर में हजारों की संख्या में महिला, पुरूष व बच्चों के साथ ही मवेशी भी प्रकृति जनित अकाल मौत मारे जाते है। हमारे जनपद में ही यह आंकडा दर्जनों में पहुँच जाता है। इस प्रकृति जनित आपदा में हताहत होने वाले 90 प्रतिशत लोग ग्रामीण अंचलों

के होते है। क्योंकि नगरीय क्षेत्र में ऊंची इमारतों पर गाज रोधी यन्त्र लगे होते है। जिनकी वजह से यह आकाशीय बिजली को यह अपनी ओर अपनी ओर आकर्षित कर लेते है। जिससे कि जनहानि की सम्भावनायें शहरों में कम होती है। जबकि आकाशीय बिजली गिरने से प्रकृति जनित अकाल मौतें गाँव में ज्यादा होतीं है। उनमें प्रशासन क्षतिपूर्ति के रूप में 4-7 लाख रूपये तक मृतक के आश्रित परिजनों को देती है। जबकि विडंबना यह है कि उससे कम कीमत में लगने वाले गाज रोधक यंत्र (तड़ित चालक) गाँव में नही लगाये जा रहे हैं। कि हर गाँव में गाज रोधी यंत्र (तड़ित चालक) लगाये जायें सभी गाँव में सरकारी पंचायत भवन, स्कूल है इन पर अगर गाज रोधी यंत्र (तड़ित चालक) लगाये जायें तो प्रकृति जनित आपदा से होने वाली अकाल मौतों का आँकडा नहीं बढ़ेगा। ज्ञापन देते समय करीम पप्पू राइन, राकेश जैन चोकाबाग, दीपक जैन आस्था, मोहित जैन, दीपक नारायण पाठक, ब्रजेश ताम्रकार, आरिफ पठान, दसरथ कुशवाहा, सुधीर श्रीवास्तव, इस्लाम साकी, सफीक बाबा, सूरज, सुरेंद्र सपेरा, पवन कुशवाहा, फूलचंद राय, दिलीप खटीक, धीरज कुशवाहा, सचिन नामदेव, कृष्णकांत सोनी, मनीष सोनी, विश्वनाथ यादव, देवेंद्र राजा, प्रदीप साहू, रमेश, निहाल सेन, अमित गोयल आदि मौजूद रहे।

उत्तर कोरिया ने दो बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया

वाशिंगटन । अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान के संयुक्त सैन्य अभ्यास के बाद उत्तर कोरिया ने सोमवार को दो बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया। इसके एक दिन पहले ही उ.कोरिया ने अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान के हालिया संयुक्त सैन्य अभ्यास के जवाब में ''आक्रामक और जबरदस्त'' प्रतिक्रिया देने का संकल्प लिया था। दक्षिण कोरिया के 'ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ' ने कहा कि दोनों मिसाइल दक्षिण-पूर्वी उत्तर कोरिया के जांग्योन शहर से उत्तर-पूर्वी दिशा में 10 मिनट के अंतराल पर प्रक्षेपित की गईं। पहली मिसाइल ने 600 किलोमीटर (370 मील) और दूसरी मिसाइल ने 120 किलोमीटर (75 मील) की दूरी तय की, लेकिन यह नहीं बताया गया कि ये मिसाइल कहां गिरीं। उत्तर कोरिया आमतौर पर अपने पूर्वी जलक्षेत्र की ओर मिसाइल का परीक्षण करता है, लेकिन दूसरी मिसाइल द्वारा तय की गई दूरी इस जलक्षेत्र तक पहुंचने के लिए काफी नहीं थी। एक अज्ञात दक्षिण कोरियाई सैन्य सूत्र के हवाले से बताया कि इस बात की संभावना है कि दूसरी मिसाइल उत्तर कोरिया के अंदरूनी इलाके में गिरी हो। उ.कोरिया की जमीन पर संभावित नुकसान की तत्काल कोई जानकारी नहीं मिली है। खबरों में बताया गया कि पहली मिसाइल उत्तर कोरिया के पूर्वी शहर चोंगजिन के पास जलक्षेत्र में गिरी।

उत्तरी नाइजीरिया में आत्मघाती हमला.....18 लोगों की मौत

लंदन । उत्तरी नाइजीरिया में महिला आत्मघाती हमलावरों ने विवाह समारोह, अंतिम संस्कार कार्यक्रम और एक अस्पताल को निशाना बनाकर समन्वित हमले किए, इसमें 18 लोगों की मौत हो गई और 30 अन्य लोग घायल हो गए। बोर्नो राज्य में हुए इन हमलों की जिम्मेदारी अभी तक किसी ने नहीं ली है। यह राज्य बोको हराम के उग्रवाद से बुरी तरह प्रभावित हुआ है। चरमपंथी समूह आत्मघाती बम विस्फोटों में पहले भी महिलाओं और लड़कियों का इस्तेमाल कर चुका है जिससे यह संदेह पैदा होता है कि इनमें से कुछ हमलावर उन स्कूली बच्चों सहित हजारों लोगों में से हैं जिन्हें आतंकवादियों ने पिछले कुछ सालों में अगवा किया है। उन्होंने बताया कि मृतकों में बच्चे और गर्भवती महिलाएं भी शामिल हैं। कम से कम 30 अन्य घायल हुए हैं। नाइजीरिया के राष्ट्रपति बोला टीनुबू ने इन हमलों को आतंक की हताशाजनक हरकत बताया है। बोको हराम की एक शाखा इस्लामिक स्टेट समूह से संबद्ध है और यह नाइजीरिया में इस्लामिक राज्य स्थापित करना चाहता है। अधिकारियों ने शहर में कर्फ्यू लगा दिया है।

प्रेसिडेंशियल डिबेट में पिछड़े बाइडेन..... चिंतित इजराइल

वाशिंगटन। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव से पहले होने वाले प्रेसिडेंशियल डिबेट में राष्ट्रपति बाइडेन की हालत ठीक नहीं दिखी। वे स्पष्ट तौर पर ट्रंप से पिछड़ते दिख रहे है। इसके बाद अमेरिका और उसके सहयोगी देशों में हलचल होनी शुरू हो गई है। प्रेसिडेंशियल डिबेट में बाइडेन के खराब प्रदर्शन से इजरायल चिंतित है। इजरायल ने चिंता व्यक्त की है कि अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन का बहस में खराब प्रदर्शन देश के दुश्मनों को बढ़ावा दे सकता है। इजरायल के राजनीतिक विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि ईरान और उसके प्रतिनिधि बाइडेन की स्पष्ट कमजोरी का फायदा उठाने की कोशिश कर सकते हैं। एक की रिपोर्ट के मुताबिक इजरायल के कई अखबारों ने अपने पहले पन्ने पर बहस को छापा। बहस के दौरान, ट्रंप ने बाइडेन पर आरोप लगाया कि वे नहीं चाहते कि इजरायल गाजा में काम पूरा करे। ट्रंप ने बाइडेन को कमज़ोर कहा। ट्रंप यहीं नहीं रुके और बाइडेन को फिलिस्तीनी तक कह दिया। बाइडेन ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। अमेरिका में इस साल नवंबर में राष्ट्रपति चुनाव होने वाले हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति चुने जाने की प्रक्रिया में दोनों प्रमुख पार्टियों डेमोक्रेटिक पार्टी और रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवारों के बीच वोटिंग से छह हफ्ते पहले टीवी पर बहस होती है। चुनाव से पहले तीन बार बहस का आयोजन होता है, जहां मतदाताओं को उम्मीदवारों को परखने का मौका मिलता है। डोनाल्ड ट्रंप और जो बाइडेन के बीच दूसरी बहस 10 सितंबर को होगी।

कैदी से साथ महिला जेल अधिकारी का सेक्स वीडियो वायरल

लंदन । एक महिला जेल अधिकारी का एक वीडियो वायरल हुआ है। इसमें महिला अधिकारी एक कैदी के साथ जेल में संबंध बना रही है। यह वाकया साउथ वेस्ट लंदन स्थित जेल एचएमपी वांड्सवर्थ में हुआ। 30 वर्षीय महिला अधिकारी का नाम लिंडा डि सॉसा एब्रू है, जो कि पश्चिमी लंदन फुलहम की रहने वाली है। इस बीच पुलिस ने सेक्स वीडियो सामने आने के बाद जांच शुरू की। आरोप है कि वीडियो को जेल के अंदर शूट किया गया है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दावा है कि वीडियो में महिला पहले फुल यूनिफॉर्म में दिखाती है। इसके बाद वह आपत्तिजनक हालात में दिखाई दे रही है। स्कॉटलैंड यार्ड के प्रवक्ता ने जांच की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि स्टाफ द्वारा भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि वीडियो में दिख रही जेल अधिकारी के खिलाफ पुलिस में रिपोर्ट की गई है। हालांकि उन्होंने मामले से जुड़ी अन्य जानकारियां देने से मना किया है। हाल ही में इस जेल का निरीक्षण हुआ था, जिसमें चौंकाने वाली चीजें सामने आई थीं। इसके मुताबिक जेल में अक्सर हिंसात्मक घटनाएं होती हैं। इसके अलावा स्टाफ भी बेहद कम है। इस जेल को कम कैदियों के लिए बनाया गया था, जबकि फिलहाल क्षमता से 163 फीसदी अधिक 1500 से ज्यादा कैदी बंद हैं।

मानव मल से बनेगा खाद....हर नागरिक अपने मल को एकत्रित करे, सनकी तानाशाह का आदेश

प्योंगयॉंग । उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन अपने बयानों और फैसलों को लेकर सुर्खियों में रहते हैं। किम जोंग अपने अजीबों गरीब आदेश के लिए चर्चा में रहते है। उन्होंने खाद संकट दूर करने के लिए खाद फैक्ट्रियों में 10 किलो सूखा मल जमा कराने का आदेश दिया है। यह काम देश के सभी नागरिकों को करना होगा। बात दें कि नॉर्थ कोरिया खाद संकट से जूझ रहा है, इसके बाद सनकी तानशाह ने पॉटी बटोरने का आदेश दिया है। किम जोंग ने उत्तर कोरियाई लोगों को अपना मल इकट्ठा करने को कहा है, ताकि फसलों के लिए खाद की कमी पूरा की जा सके। तानाशाह चाहता है कि हर नागरिक 10 किलोग्राम मल इकट्ठा करके करीबी खाद की फैक्टरी को दे। बता दें कि उ.कोरिया में आयात किए गए खाद की कमी है और किम जों उन की कृषि प्रथम पहल है, जिसके लिए गर्मी में मल का संग्रह शुरू किया गया है। हालांकि उत्तर कोरिया के लोग जो ऐसा नहीं करना चाहते वह कुछ पैसे खर्च कर इससे बच सकते हैं।

नाबालिग छात्र से शारीरिक संबंध बना रही 43 साल की टीचर को भेजा जेल

न्यूजर्सी। एक 43 साल की टीचर अपने छात्र के साथ सेक्स करते पकड़ी गई। जबकि टीचर का कहना है कि वो निर्दोष है। शिक्षिका पर आरोप है कि स्कूल में पढ़ने वाले एक मासूम के साथ उसने शारीरिक संबंध बनाए। महिला फीहोल्ड इटरमीडिएट स्कूल में स्पेशल एजुकेशन टीचर है। प्रशासन से मिली जानकारी के मुताबिक महिला का नाम एलीसन हैवमैन नीद्रैक है। जांच के मुताबिक एलीसन ने इसी साल के शुरुआत में स्टूडेंट का यौन शोषण शुरू किया था। हालांकि इस बात का पता कैसे चला यह बात प्रशासन ने नहीं बताई है। प्रशासन का कहना है कि अगर किसी को भी महिला टीचर की हरकतों के बारे में पता है तो वह आगे आए और उन्हें जानकारी दे। प्रशासन ने कहा, अगर किसी को भी एलिसन के बारे में जानकारी हो तो वह सूचना दें। लिंक्डइन प्रोफाइल के मुताबिक एलिसन फीहोल्ड इंटरमीडिएट स्कूल में मार्च 2022 से पढ़ा रही हैं। 2008 से ही वह अलग-अलग स्कूलों में पढ़ा रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक पीड़ित स्टूडेंट की उम्र नहीं बताई गई है। हालांकि वह 6 से आठवीं कक्षा के बीच का स्टूडेंट हो सकता है। वहीं महिला टीचर को मॉनमाउथ काउंटी की जेल में रखा गया है। फिलहाल वह हिरासत में है। फिलहाल मामले की सुनवाई कोर्ट में नहीं हुई है। कोर्ट में ही फैसला होगा कि शिक्षिका को जेल में ही रहना होगा या फिर जमानत मिल जाएगी। वह खुद को बेहद गंभीर शिक्षिका बताती हैं और स्टूडेंट्स का अच्छा रिजल्ट लाने का दावा करती हैं। वहीं टीचर की वकील का कहना है कि वह निर्दोष हैं और फिलहाल ज्यादा कुछ बताने से इनकार किया है। बता दें कि दो दिन पहले ऐसी ही घटना अमेरिका के लुइसियाना से आई थी।

इंडोनेशिया में बाली आर्ट समारोह के दौरान डांसर केकक डांस करते हुए।

पीएम मोदी की रुस यात्रा से पहले रूस में जोर पकड़ रही हिंदुओं की मांग

मास्को। पीएम नरेंद्र मोदी 8 जुलाई को रूस पहुंच रहे हैं। इससे पहले ही हिंदू समुदाय ने मॉस्को में हिंदू मंदिर बनाए जाने की इच्छा जाहिर कर दी है। मॉस्को और सेंट पीटर्सबर्ग में कई इस्कॉन मंदिर मौजूद हैं। हालांकि, ये मंदिर एक सादे भवन में हैं, जिसे भारतीय समुदाय बदलना चाहता है और मंदिर जैसी इमारत की मांग देश की सरकार के सामने रख दी है। खबरों के अनुसार, इंडियन बिजनेस अलायंस के अध्यक्ष स्वामी कोटवानी ने रूस की राजधानी मॉस्को में पहली हिंदू इमारत तैयार करने की इच्छा जाहिर की है। माना जाता है कि भारत के साथ मजबूत रिश्तों के चलते रूसी सरकार हिंदू मांगों को लेकर खासी गंभीर है। हालांकि, यहां पहले से ही हिंदू धर्म से जुड़े भवन और समुदायिक केंद्र मौजूद हैं। रूस दौरे पर पीएम मोदी रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से भी मुलाकात करेंगे। खास बात है कि लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद संभालने के बाद मोदी का यह पहला विदेशी दौरा होगा। लोकसभा चुनाव 2024 के परिणाम जारी होने के बाद पुतिन ने मोदी को फोन पर बधाई भी दी थी। हालांकि, भारतीय जनता पार्टी इस पास स्पष्ट बहुमत हासिल नहीं कर सकी थी, लेकिन एनडीए सरकार बनाने में सफल रही। दोनों नेता इस साल के अंत में रूस के कज़ान में आयोजित होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भी भाग लेंगे। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा तब हो रही है जब रूस ने भारत के साथ एक रसद साझीदारी समझौते को मंजूरी दे दी है। दोनों पक्ष पिछले कुछ वर्षों से संयुक्त सैन्य तैनाती पर बातचीत कर रहे हैं, जो अनिवार्य रूप से एक पारस्परिक रसद विनिमय (आरईएलओएस) सौदा है। यह समझौता रूस और भारत के सैन्य संरचनाओं, युद्धपोतों और सैन्य विमानों के पारस्परिक रवानगी की प्रक्रिया पर है।

पहले दौर के चुनावों में मोदी के दोस्त मैक्रों को लगा झटका, धुर दक्षिणपंथी पार्टी की धमाकेदार जीत

लंदन (एजेंसी)। एग्जिट पोल से पता चला है कि मरीन ले पेन की दक्षिणपंथी नेशनल रैली (आरएन) पार्टी ने फ्रांस के संसदीय चुनाव के पहले दौर में ऐतिहासिक बढ़त हासिल कर ली है। लेकिन अंतिम परिणाम अगले सप्ताह के मतदान से पहले के दिनों पर निर्भर करेगा। इप्सोस, आईफॉप, ओपिनियनवे और एलाबे के एग्जिट पोल से पता चला कि आरएन को लगभग 34त्न वोट मिलते हुए देखा गया, यह राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के लिए एक बड़ा झटका है जिन्होंने यूरोपीय संसद में आरएन द्वारा मिली हार के बाद आकस्मिक चुनाव का ऐलान कर दिया।

कुल वोट में आरएन का हिस्सा

वोट में आरएन का हिस्सा वामपंथी और मध्यमार्गी प्रतिद्वंद्वियों से काफी आगे था, जिसमें मैक्रॉन का टुगेदर गठबंधन भी शामिल था, जिसका ब्लॉक 20.5त्न -23त्न जीतता हुआ देखा गया था। एग्जिट पोल से पता चला कि न्यू पॉपुलर फ्रंट (एनएफपी) को लगभग 29त्न वोट मिलने का अनुमान लगाया गया था। एग्ज़िट पोल चुनाव से पहले जनमत सर्वेक्षणों के अनुरूप थे, और ले पेन के समर्थकों ने खुशी जताई। हालाँकि, उन्होंने इस पर थोड़ी स्पष्टता प्रदान की कि क्या आप्रवासी विरोधी, यूरोसेप्टिक आरएन रन-ऑफ के बाद यूरोपीय संघ समर्थक मैक्रों के साथ सहयोग करने के लिए सरकार बनाने में सक्षम होंगे। फ्रांस में कई लोगों के लिए लंबे समय तक अछूत रही आरएन अब पहले की तुलना में सत्ता के करीब है।

चुनाव परिणाम संबंधी पूर्वानुमान के अनुसार, संसदीय चुनाव में 'नेशनल रैली' की जीत की संभावना है। देश में 4.95 करोड़ पंजीकृत मतदाता हैं जो फ्रांस की संसद के प्रभावशाली निचले सदन नेशनल असेंबली के 577 सदस्यों को चुनेंगे। मतदान बंद होने से तीन घंटे पहले 59 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। यह 2022 में हुए पहले दौर के मतदान से 20 प्रतिशत अधिक है।

तुर्की में गैस संयंत्र में हुए धमाके में 5 मरे , कई घायल

इस्तांबुल (ईएमएस)। तुर्की में गैस संयंत्र में हुए धमाके में 5 लोगों की मौ हुई है जबकि 60 से अधिक घायल हैं। ये धमाका पश्चिमी प्रांत इजमिर में एक प्राकृतिक संयंत्र में हुआ। एक रिपोर्ट के अनुसार ये धमाका तोरबाली जिले में एक इमारत में स्थित एक संयंत्र में हुआ। घायलों में से कम से कम 10 की हालत गंभीर है। इजमिर के गवर्नर सुलेमान एल्बान ने कहा कि इस विस्फोट से आसपास की 11 इमारतों को भी नुकसान हुआ है। वहीं न्याय मंत्री यिलमाज़ टुनक ने कहा है कि धमाके की जांच शुरु कर दी गयी है और इसमें दोषियों को कड़ी सजा दी जाएगी।

गाजा में भारी बमबारी के बाद ईरान को भी इजरायल ने दी चेतावनी

-ईरान ने कहा- स्थिति बिगड़ी तो हम भी सभी विकल्पों का करेंगे इस्तेमाल

यरूशलेम (एजेंसी)। इजरायल गाजा में लगातार हमले कर रहा है जिसमें अब तक हजारों बेगुनाह लोगों की जान जा चुकी है। पिछले 24 घंटों में इजराइली हमले में 40 फलस्तीनी मारे गए और सैकड़ों घायल हो गए हैं। इजरायल लगातार गाजा पट्टी में बमबारी कर रहा है। इजराइल की तरह की कार्रवाई का कई यूएन समेत कई देश विरोध कर रहे हैं लेकिन उसका इजराइल पर कोई असर नहीं हो रहा है।

इस बीच अब इजराइल ने ईरान समर्थित हिजबुल्लाह के खात्मे की भी बात कही है। इजरायल के विदेश मंत्री कैट्ज ने कहा कि ईरान विनाशकारी युद्ध की बात कर रहा है, लेकिन ये संदेश उसे विनाश की ओर ले जाएगा। कैट्ज ने एक पोस्ट में कहा कि विनाश की धमकी देने वाली सरकार को खत्म कर दिया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि अगर हिजबुल्लाह लेबनान से इजरायल पर गोलीबारी बंद नहीं करता और सीमा से दूर नहीं जाता तो इजरायल उसके खिलाफ भी कार्रवाई करेगा। ईरान के संयुक्त राष्ट्र मिशन ने कहा कि अगर इजरायल लेबनान में सैन्य आक्रमण करता है, तो विनाशकारी युद्ध शुरू हो जाएगा। ईरान ने कहा कि अगर स्थिति बिगड़ी तो हम भी अपने सभी विकल्पों का इस्तेमाल करेंगे।

बता दें कि इजरायल और हमास युद्ध के बीच हिजबुल्लाह भी इजरायल पर हमले कर रहा है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और रक्षा मंत्री योआव गैलेंट ने इस सप्ताह कहा था कि वे स्थिति को हल करने के लिए कूटनीतिक रास्ता अपनाना पसंद करते हैं।

गाने सुन रहे शख्स से खफा हुआ किम जोंग, सरेआम दे दी मौत की सजा

प्योंगयांग (एजेंसी)। उत्तर कोरिया के तानाशाह ने एक बार फिर अपनी सनक के चलते एक युवक की जान ले ली। 22 साल के युवक को सरेआम मौत के घाट उतार दिया गया। उसका गुनाह सिर्फ यह था कि वह पड़ोसी देश साउथ कोरिया के गाने सुन रहा था। उस पर आरोप था कि उसने के-पॉप संगीत और फिल्में देखकर उत्तर कोरिया के कानून को तोड़ा है। रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण ह्वांगी प्रांत के रहने वाले शख्स को दक्षिण कोरिया के 70 गाने सुनने और तीन फिल्में देखने का गुनहगार बताया गया और उसको मौत की सजा दे दी गई। रिपोर्ट में उत्तर कोरिया के ही लोगों को कोट किया गया। एक शख्स ने कहा, आखिर हम ऐसा जीवन क्यों जी रहे हैं। उत्तर कोरिया में जीने से अच्छा तो मर जाना है। जानकारी के मुताबिक उत्तर कोरिया में अधिकारी अकसर किसी का भी फोन चेक करते हैं और पता करते हैं उसमें किस तरह का संगीत है। रिपोर्ट के मुताबिक उत्तर कोरिया में दुल्हनों का सफेद ड्रेस पहनना, दूल्हे का दुल्हन का साथ ले जाना, धूप का चश्मा लगाना या फिर शराब पीने के लिए कांच का गिलास इस्तेमाल करना भी अपराध है और इसके लिए कड़ी सजा दी जाती है।

उत्तर कोरिया में रियक्शनरी आइडियोलॉजी ऐंड कल्चर कानून 2020 के तहत यह अपराध है। पूर्व शासक किम जोंग इल के शासनकाल में ही दक्षिण कोरियाई संगीत पर बैन लगाया गया था। वहीं कि जोंग उन के शासन में कानून और कठोर कर दिए गए। के-पॉप और के-ड्रामा दक्षिण कोरियाई फिल्मों और संगीत का एक रूप हैं जिन्हें दुनियाभर में पसंद किया जाता है। पहले की रिपोर्ट्स में भी दावा किया गया है कि खान-पान और पहनावे को लेकर भी उत्तर कोरिया में बेहद कड़े कानून हैं। यहां कोई भी शख्स चिपकी हुई जींस नहीं पहन सकता है। इसके अलावा हर तरह की हेयर स्टाइल नहीं कर सकता है। ऐसी टीशर्ट नहीं पहन सकता जिसपर विदेशी भाषा में कुछ भी लिखा हो। जानकारों का कहना है कि उत्तर कोरिया के लोगों को दक्षिण कोरिया की संस्कृति पसंद आती है लेकिन तानाशाह किम जोंग उन इसे अपनी सत्ता के लिए चुनौती मांगता है। इसीलिए उसने कड़े कानून बना रखे हैं।

नेपाल में सियासी भूचाल, देउबा और ओली मिला सकते हैं हाथ!

-प्रचंड को पद से हटाकर सत्ता अपने हाथ में लेने की तैयारी

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल में प्रधानमंत्री पुष्प कमल दल प्रचंड और सरकार पर खतरा मंडरा रहा है। नेपाली कांग्रेस और नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी-एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी के नेताओं के बीच बंद कमरे में हुई बैठक के बाद सियासत तेज हो गई है। माना जा रहा है कि संसद की दो सबसे बड़ी पार्टियां प्रचंड को सत्ता से हटाकर सरकार का नेतृत्व अपने हाथ में लेने की तैयारी में है।

चार महीने पहले ही केपी शर्मा ओली की सीपीएन-यूएमएल सत्ताधारी गठबंधन में शामिल हुई थी। प्रचंड ने इसी साल मार्च में पाला बदलते हुए शेर बहादुर देउबा की नेपाली कांग्रेस से गठबंधन तोड़कर ओली से हाथ मिलाया था। देउबा और ओली के बीच बैठक यूएमएल प्रमुख ओली के सरकार द्वारा पेश बजट की सार्वजनिक आलोचना के कुछ सप्ताह बाद हुई है। उन्होंने इसे माओवादी बजट कहा था। इस बैठक में क्या बात हुई, इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं मिल सकी है। ओली ने कहा है कि देश को मौजूदा हालात में नहीं चलाया जा सकता है। मीडिया रिपोर्ट में नेपाली कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता के हवाले से बताया कि दोनों नेताओं ने निष्क्रिय संघवाद और चुनाव प्रणाली की समीक्षा करने और जरुरी बदलावों के बारे में व्यापक समझ बनाने पर सहमति बन गई है। दोनों पक्ष मौजूदा सदन के बाकी बचे 32 महीने के लिए गठबंधन का नेतृत्व करने पर सहमत हो गए हैं, लेकिन पहले आधे समय में कौन नेतृत्व करेगा, इस पर बातचीत चल रही है।

इस बीच प्रधानमंत्री प्रचंड ने रविवार को ओली के साथ एक बैठक की। इसमें उप प्रधानमंत्री और राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्ट के प्रमुख रबी लाबिछाने भी शामिल हुए। उनके बारे में अटकले लगाई जा रही है कि वे सत्तारूढ़ गठबंधन से बाहर निकलने पर विचार कर रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है दोनों पूर्व प्रधानमंत्रियों ने राष्ट्रीय राजनीति, दशकों से पुरानी अधूरी संक्रमणकालीन न्याय प्रक्रिया और अन्य राष्ट्रीय मुद्दों को हल करने के लिए संभावित सहयोग जैसे मुद्दों पर गंभीर चर्चा की।

पाकिस्तान-अमेरिका ने मिलकर भारत के साथ खेला गंदा खेल! कर दिया होश उड़ाने वाला दावा

कीव (एजेंसी)। पाकिस्तान ने भारत को लेकर ऐसा दावा किया है जिसने कई देशों में बवाल खड़ा कर दिया है। पाकिस्तान के इस झूठे दावे को दुनियाभर में फैलाने के लिए अमेरिका ने भी पूरी ताकत लगा दी है। यानी ये साफ हो चुका है कि अमेरिका और पाकिस्तान दोनों मिले हुए हैं। तभी तो एक ही समय पर पाकिस्तान और अमेरिका की तरफ से भारत की खुफिया एजेंसी पर एक जैसे झूठे आरोप लगाए जा रहे हैं। पाकिस्तान ने सबसे पहले बयान दिया कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान और बलूच लिबरेशन आर्मी जैसे संगठन भारत की खुफिया एजेंसी रॉ से पैसा ले रहे हैं। ये दोनों संगठन भारत से मदद ले रहे हैं। पाकिस्तान ने जैसे ही ये बेबुनियाद आरोप लगाया उसके तुरंत बाद अमेरिका ने सोशल मीडिया पर एक बयान वायरल करवाना शुरू कर दिया।

बयान में अमेरिका की खुफिया एजेंसी सीआईए की एक अधिकारी बोल रही है कि भारत तालिबान की मदद से पाकिस्तान में बैठे आतंकियों को मरवा रहा है। यानी पाकिस्तान और अमेरिका दोनों आरोप लगा रहे हैं कि भारत दूसरे देशों में आतंकियों की हत्याएं करवा रहा है। कई एक्सपर्ट्स का कहना है कि ये बात तो सच है कि पिछले एक साल में कनाडा, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, नेपाल और ब्रिटेन में कई आतंकी मारे गए हैं। इनमें से ज्यादातर वो आतंकी मारे गए हैं जो कभी न कभी भारत पर हमला करते रहे हैं। लेकिन एक्सपर्ट्स का कहना है कि इन हत्याओं का आरोप भारत पर लगाना बिल्कुल गलत है।

भारत ने सभी आरोपों से इनकार किया है। लेकिन प्रत्येक मामले में उसकी प्रतिक्रियाएँ गुणात्मक रूप से भिन्न रही हैं और उन्हें व्यापक नीतिगत स्थिति और वर्तमान रणनीतिक अनिवार्यताओं को प्रतिबिंबित करने के रूप में देखा जा सकता है। कनाडा के मामले में सख्त रुख अपनाते हुए ट्रूडो के आरोपों को बेतुका और राजनीति से प्रेरित बताकर खारिज कर दिया है। इसके साथ ही कनाडा की सरकार पर आतंकवादियों को पनाह देने का आरोप लगाया है।

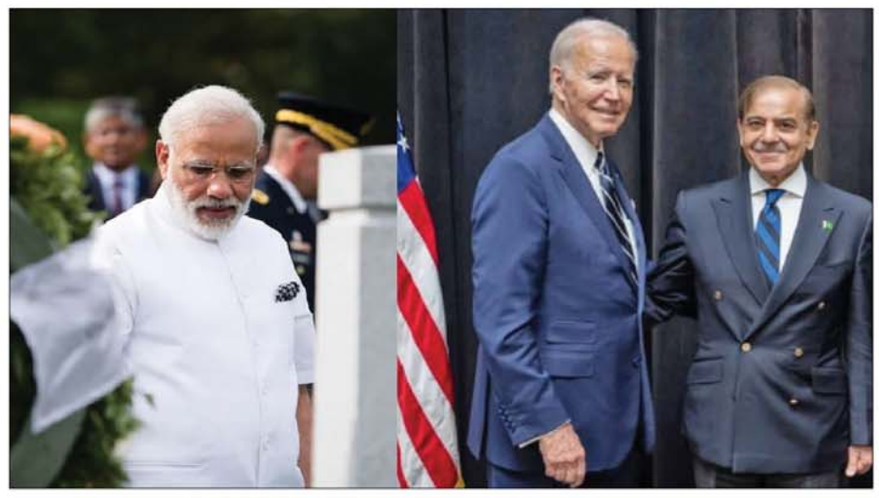

आईसीसी की विश्वकप टीम ऑफ द टूर्नामेंट में रोहित सहित छह भारतीय खिलाड़ी शामिल

-विराट को नहीं मिली जगह

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने विश्वकप की टीम ऑफ द टूर्नामेंट की घोषणा कर दी है। इसमें रोहित शर्मा, हार्दिक पंड्या सहित छह भारतीय खिलाड़ियों को जगह मिली है। हैरानी की बात ये है कि इसमें भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को जगह नहीं मिली है जबकि विराट ने टी20 विश्वकप के फाइनल में शानदार पारी खेलते हुए 76 रन बनाये थे। आईसीसी की इस टीम में भारत की ओर से कप्तान रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, के अलावा ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और अर्शदीप सिंह व जसप्रीत बुमराह और अक्षर पटेल को भी शामिल किया गया है। अफगानिस्तान के 3 खिलाड़ी, वेस्टइंडीज, ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के 1-1 खिलाड़ियों को इस टीम में शामिल किया गया है.

वहीं दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्किया को 12वें खिलाड़ी के तौर पर रखा गया है। दक्षिण अफ्रीक के विश्वकप में 15 विकेट लिए थे।

रोहित की कप्तानी में भारतीय टीम ने पहली बार विश्वकप जीता। रोहित ने इस टूर्नामेंट में 3 अर्धशतकों की सहायता से कुल 257 रन बनाए। वहीं विश्वकप फाइनल में शानदार बल्लेबाजी करने के अलावा डेडिड मिलर का कैच पकड़ कर मुकाबला भारतीय टीम की ओर करने वाले सूर्यकुमार यादव को भी टीम में जगह मिली है। जसप्रीत बुमराह ने विश्व कप में कसी हुई गेंदबाजी करते हुए 4.17 की इकोनोमी से रन दिए और 15 विकेट लिए। इसके अलावा युवा अर्शदीप सिंह ने 17 विकेट लेकर इस विश्व कप में रिकॉर्ड बनाया।

ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस ने 169 रन बनाने के साथ साथ 10 विकेट भी चटकाए। इस कारण उन्हें भी टीम में जगह मिली है। पंड्या के प्रदर्शन भी गेंद और बल्ले से अच्छा रहा। इस कारण उन्हें भी टीम में जगह मिली है। वहीं अफगानिस्तान की ओर से विश्वकप में शानदार शुरुआत करने वाले रहमनुल्लाह गुरबाज को भी इस टीम में रखा गया है। गुरबाज ने तीन अर्धशतकों की सहायता से 281 रन बनाए थे। गुरबाज ने 124.33 के स्ट्राइक रेट से रन बनाये। इसके अलावा वेस्टइंडीज के विकेटकीपर निकोलस पूरन को भी इस टीम में शामिल किया गया है। निकोलस ने 228 रन बनाये और उनका स्ट्राइक रेट 146.15 रहा। अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने 14 विकेट इस कारण उन्हें भी टीम में जगह मिली है। इसके अलावा अफगान तेज गेंदबाज फजहलक फारूकी ने इस विश्व कप में 17 विकेट लिए। उनकी सर्वश्रेष्ट गेंदबाजी 9 रन देकर 5 विकेट रही।

आईसीसी की टी20 विश्व कप टीम इस प्रकार है: रोहित शर्मा, रहमनुल्लाह गुरबाज, निकोलस पूरन, सूर्यकुमार यादव, मार्कस स्टोइनिस, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, राशिद खान, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, फजहलक फारूकी. 12वां खिलाड़ि- एनरिक नॉर्किया।

पेरिस ओलंपिक के लिए अभ्यास कर रहे मुक्केबाज अमित पंघाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मुक्केबाज मुक्केबाज अमित पंघाल आजकल पेरिस ओलंपिक के लिए अभ्यास में जुटे हुए हैं। पंघाल का लक्ष्य अब पेरिस ओलंपिक में पदक जीतना रहेगा। पेरिस ओलंपिक के लिए टिकट मिलने के बाद से ही वह बेहद उत्साहित हैं। पंघाल ने एशियाई खेलों और एशियाई चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक और विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीता है जिससे भी उनका मनोबल बढ़ा हुआ है।

पेरिस ओलंपिक के प्री-क्वार्टर फाइनल से बाहर होने के बाद से ही वह निराश थे, इसे बाद बड़ी मुश्किल से उन्हें जगह मिली। पंघाल को तब अवसर मिला जब दीपक भोरिया दो प्रयासों के बाद भी 51 किग्रा में ओलंपिक कोटा हासिल नहीं कर पाये। पंघाल को अंतिम क्वालीफाइंग स्पर्धा के लिए चुना गया और उन्होंने इसमें जीत हासिल कर ओलंपिक टिकट हासिल किया। इस मुक्केबाज को पिछले तीन साल में सीमित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के कारण कई पहलुओं पर काम करना पड़ा। उन्हें प्रतियोगिता से केवल एक महीने पहले ही अपने चयन के बारे में पता चला था। उन्होंने कहा, ''मैंने हर चीज पर काम किया। मैंने शरीर को आराम देने पर काम किया क्योंकि मुकाबलों के बीच आराम काफी जरुरी होता है।

दक्षिण अफ्रीकी टीम अब भी बदल नहीं पायी दबाव में बिखरने की आदत

-क्लूजनर से क्लासेन तक वही कहानी टीम ने फिर दोहरायी

मुम्बई (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीकी टीम एक बार फिर दबाव में बिखरने के मिथक को गलत साबित नहीं कर पायी है। टीम को लेकर बड़े मुकाबले में दबाव के बीच बिखरने की जो बातें कहीं जाती रही हैं। वे एक बार फिर टी20 विश्वकप में सही साबित हुई हैं। दक्षिण अफ्रीकी टीम इस टूर्नामेंट में सभी मैच जीतकर फाइनल में पहुंची थी पर इसे बाद भी उसे करीबी मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। इस हार से दक्षिण अफ्रीकी प्रशंसकों के मस्तिष्क में लांस क्लूजनर की यादें फिर ताज हो गयी हैं। ये भी साफ हो गया है कि क्लूजनर से हेनरिक क्लासेन तक हालात नहीं बदले हैं। इसी कारण उसने हाथ में आया हुआ मैच खो दिया। दक्षिण अफ्रीकी टीम को अंतिम 30 गेंदों पर 30 रन की जरूरत थी और 6 विकेट हाथ में थे। उस समय हेनरिक क्लासेन आक्रामक बल्लेबाजी कर रहे थे। 15वां ओवर में उन्होंने एक ही ओवर में एक ओवर में 24 रन बना लिए। इसके बाद टीम की जीत करीब लगने लगी थी।

मैच के 16वें ओवर तक मैच अफ्रीकी टीम के हाथों में था पर 17 वें ओवर में क्लासेन के आउट होते ही अफ्रीकी टीम की पकड़ मैच से ढ़ीली होने लगी। दक्षिण अफ्रीका की टीम के पास हमेशा से अच्छे बल्लेबाज ओर गेंदबाज रहे हैं पर इसके बाद भी वह अहम मुकाबलों में गलतियां कर देती है। अब तक खेले गए कुल 18 एकदिवसीय और टी-20 विश्व कप में अफ्रीकी टीम पहली बार फाइनल मुकाबले तक पहुंच पाई। वहीं 7 बार उसे सेमिफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। इसमें 1999 के एकदिवसीय विश्वकप सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया पर जीत के लिए टीम को अंतिम ओवर में 9 रनों की जरूरत थी और उसका आखिरी विकेट ही बचा था। तब ऑलराउंडर लांस क्लूजनर के साथ तेज गेंदबाद एलन डोनाल्ड खेल रहे थे। क्लूजनर ने अंतिम ओवर की पहली 2 गेंदों पर 2 चौके लगाकर स्कोर बराबर कर दिया। इस प्रकार उसे जीत के लिए 4 गेंदों पर केवल एक रन की जरुरत थी।

भारतीय महिला टीम की बड़ी जीत, एकमात्र टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका को 10 विकेट से हराया

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय महिला टीम ने एकमात्र टेस्ट मैच में सोमवार को यहां चौथे और आखिरी दिन दक्षिण अफ्रीका को 10 विकेट से शिकस्त दी। भारतीय जीत में शेफाली वर्मा और स्नेह राणा का अहम योगदान रहा। शेफाली ने पहली पारी दोहरा शतक जड़ा जबकि राणा ने 77 रन देकर आठ विकेट चटकाए।

शेफाली की 197 गेंद में 205 रन और पहले विकेट के लिए स्मृति मंधाना (149) के साथ 292 रन की साझेदारी के दम पर भारत ने छह विकेट पर 603 रन पर पारी घोषित की। टीम ने राणा की शानदार फिरकी के दम पर दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी को 266 रन पर समेट दी। भारत ने पहली पारी में 337 रन की बढ़त लेने के बाद दक्षिण अफ्रीका को फॉलोऑन करया।

दक्षिण अफ्रीका ने कप्तान लॉरा वुलवार्ट (122) और पूर्व कप्तान सुने लुस (109) की शतकीय पारियों के बाद मध्यक्रम की बल्लेबाज नादिने डि क्लर्क की 61 रन की पारी के दम पर 373 रन बनाकर भारत को जीत के लिए 37 रन का लक्ष्य दिया। शुभा सतीश (नाबाद 13) और शेफाली (नाबाद 24) ने 9.2 ओवर में बिना किसी नुकसान के जीत की औपचारिकता पूरी की। भारतीय टीम ने इससे पहले तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला को 3-0 से अपने नाम किया था। दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की टी20 श्रृंखला का आगाज पांच जुलाई से होगा।

अभी आईपीएल खेलते रहेंगे रोहित

बारबाडोस । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि वह अभी आईपीएल खेलते रहेंगे। जिस प्रकार से रोहित ने विश्वकप जीतने के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले लिया था उसके बाद ही अटकलें लगायी जा रहीं थीं कि वह आईपीएल को भी अलविदा कह सकते हैं पर रोहित ने इन सभी अटकलों पर विराम लगा दिया है। रोहित ने कहा, मैंने इस समय टी-20 से संन्यास लेने के बारे में नहीं सोचा था पर जिस तरह के हालाते थे उसमें मुझे लगा कि मेरे लिए टी-20 को अलविदा कहने के लिए यह बिल्कुल सही सही समय है पर मैं आईपीएल पक्के तौर पर खेलूंगा। रोहित ने भारत को 2024 का टी20 विश्व कप खिताब दिलाने के बाद ही टी20 क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी थी। 2007 में टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने वाले रोहित को अब तक आयोजित हर टी20 विश्व कप में खेलने की उपलब्धि मिली है।

आईएल टी20 क्रिकेट लीग में खेलेंगे नरेन , रसेल ओर बोल्ट जैसे दिग्गज

दुबई । संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में टी20 अंतरराष्ट्रीय टी20 लीग अगले साल की शुरुआत में होगी। इस लीग के 13 जनवरी से शुरु होने की संभावना है। इसमें अंतराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने वाले खिलाड़ी ही खेल सकते हैं। ऐसे में इसमें दिग्गज क्रिकेटर सुनील नरेन, आंद्रे रसेल , ट्रेंट बोल्ट, एलेक्स हेल्स, मोईन अली, वनिंदु हसरंगा आदि खेलते हुए नजर आयेंगे। इसमें 6 टीमें भाग लेंगीं और 34 मैच खेले जाएंगे। इसमें सभी टीमें एक-दूसरे के खिलाफ दो-दो मैच खेलेंगी। इसके बाद प्लेऑफ मुकाबले होंगे। इस लीग के दौरान ही दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान और बांग्लादेश में टी20 लीग खेली जाएंगी। दक्षिण अफ्रीका की एसए 20लीग 10 जनवरी से 11 फरवरी तक खेली जानी है। वहीं ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग दिसंबर में शुरू होकर 4 फरवरी तक चलेगी जबकि पाक की पीएसएल लीग 9 फरवरी से शुरू हो रहा है। इस लीग में अबू धाबी नाइट राइडर्स, दुबई कैपिटल्स, एमआई एमिरेट्स के अलावा शारजाह वॉरियर्स, डेजर्ट वाइपर्स और गल्फ जायंट्स जैसी टीमें भी भाग लेंगी। इसमें 6 टीमों में कुल 84 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ ही यूएई के भी 24 खिलाड़ी खेलेंगे।

सही प्रकार से तैयार नहीं हुई थीं ड्राप इन पिचें : गेल

ब्रिजटाउन । वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज क्रिस गेल ने कहा है कि अमेरिका में हुए टी20 विश्वकप टूर्नामेंट में 'ड्राप इन पिचों के कारण कम रन बने। गेल के अनुसार अन्य जगह पर बनी ये ड्राप इन पिचें सही प्रकार से तैयार नहीं हुई थीं। इन पिचों को ऑस्ट्रेलिया के एडिलेड में तैयार करने के बाद अमेरिकी मैदान पर लगाया गया था। गेल का मानना था कि न्यूयॉर्क की ड्राप इन पिचों को तैयार होने का पूरा समय नहीं मिला। फ्लोरिडा से ट्रकों के परिये इन पिचों को न्यूयॉर्क लाया गया था। इन पिचों पर आसामान्य उछाल के कारण खिलाड़ियों के लिए खेलना काफी कठिन रहा।

गेल ने कहा कि इसी कारण ये कम स्कोर वाला विश्व कप रहा है। यहां विकेट भी धीमा हो जाता है। यह बल्लेबाजों का प्रारूप है पर इस बार इसमें गेंदबाज हावी रहे। साथ ही कहा कि आने वाले समय में हम बेहतर पिचें देखना चाहेंगे। उन्होंने हालांकि अमेरिका में खेल को बढ़ावा देने के प्रयासों के आईसीसी के प्रयासों की तारीफ करते हुए कहा कि इससे क्रिकेट दुनिया भर में फैलेगा। इसलिए वह आईसीसी के काम को एक सकारात्मक प्रयास मानते हैं। साथ ही कहा कि जिस देश में बेसबाल, बास्केटबॉल जैसे खेल लोकप्रिय हैं वहां क्रिकेट को इस प्रकार पेश करना एक अच्छी पहल है। साथ ही कहा कि जिस प्रकार से भारी तादामें में प्रशंसक मैदान में आये उससे भी पता चलता है कि क्रिकेट अब अमेरिका में भी पसंद किया जाने लगा है।

दिनेश कार्तिक को मिली बड़ी जिम्मेदारी, इस आईपीएल फ्रेंचाइजी ने बनाया बल्लेबाजी कोच और मेंटर

बेंगलुरु (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने सोमवार को पूर्व भारतीय क्रिकेटर दिनेश कार्तिक को अपना नया बैटिंग कोच और मेंटर नियुक्त किया। कार्तिक ने 2015 और 2016 में पहली बार आरसीबी के लिए खेला था। उन्होंने 2024 के सीजन में 15 मैचों में 187.36 की स्ट्राइक रेट से कुल 326 रन बनाए, लेकिन उनका प्रभाव सिर्फ रन बनाने की संख्या से कहीं ज़्यादा था। कार्तिक की नियुक्ति के बारे में बात करते हुए आरसीबी के क्रिकेट निदेशक मो बोबट ने कहा कि पूर्व भारतीय क्रिकेटर मैदान पर रोमांचकारी थे और कोचिंग समूह के लिए एक बेहतरीन जोड़ होंगे।

आरसीबी की ओर से जारी विज्ञप्ति में बोबट के हवाले से कहा गया, 'डीके हमारे कोचिंग समूह में एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं। उन्हें मैदान पर देखना रोमांचकारी था और मुझे यकीन है कि वे कोच के रूप में भी उतने ही प्रभावशाली होंगे। एक खिलाड़ी के रूप में उनकी लंबी अवधि और ट्रैक रिकॉर्ड उनके कौशल और समर्पण के बारे में बहुत कुछ बताता है। मुझे पता है कि वे इस नए पेशेवर अध्याय में भी वही गुणवत्ता और प्रतिबद्धता लाएंगे।'

39 वर्षीय खिलाड़ी ने 2004 में 19 वर्षीय के रूप में भारत के लिए अपना वनडे डेब्यू किया था, के पास दो दशकों से अधिक का विशाल बल्लेबाजी अनुभव है, जिसके दौरान उन्होंने भारत के लिए 26 टेस्ट, 94 वनडे और 60 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। उन्होंने 257 आईपीएल मैच में भी भाग लिया जिसमें 22 अर्द्धशतकों सहित कुल 4842 रन बनाए। बैटिंग कोच और बैटिंग मेंटर के रूप में नियुक्ति पर दिनेश कार्तिक ने कहा, 'पेशेवर स्तर पर कोचिंग करना मेरे लिए अविश्वसनीय रूप से रोमांचक है और यह कुछ ऐसा है जिसे मैं अपने जीवन के नए अध्याय के रूप में लेकर वास्तव में भावुक हूं। उम्मीद है कि एक खिलाड़ी के रूप में मेरे अनुभवों की चौड़ाई समूह के विकास में योगदान दे सकती है और अतिरिक्त मूल्य ला सकती है।' उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि क्रिकेट की सफलता न केवल तकनीकी दक्षता पर निर्भर करती है, बल्कि मैच की बुद्धिमत्ता और संयम पर भी निर्भर करती है। मैं अपने बैटिंग ग्रुप को कोचिंग देने और सलाह देने के लिए उत्सुक हूं, ताकि उन्हें न केवल अपने तरीके को निखारने में मदद मिल सके, बल्कि दबाव में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए आवश्यक मैच जागरूकता भी विकसित हो सके। यह भी बहुत अच्छा है कि मैं आरसीबी के साथ अपना जुड़ाव जारी रख सकता हूं क्योंकि फ्रैंचाइज़ी लगातार मजबूत होती जा रही है।'

कार्तिक की बैटिंग शैली और मैदान पर बिजली की तरह मौजूदगी ने भी उन्हें तुरंत पसंदीदा बना दिया था। बल्लेबाजी के प्रति अपने शांत दृष्टिकोण के साथ टीम के भाग्य को आकार देने की उनकी क्षमता ने उन्हें कोच एंडी फ्लावर के साथ युवा भारतीय बल्लेबाजों को पोषित करने और उनका मार्गदर्शन करने की आरसीबी की खोज में स्वाभाविक रूप से फिट बनाया।

वर्तमान में रहें और खुले दिमाग से खेलें, बिंद्रा की ओलंपिक जाने वाले भारतीय खिलाड़ियों को सलाह

चंडीगढ़ - भारत के पहले ओलंपिक व्यक्तिगत स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा को बखूबी पता है कि शीर्ष स्तर पर दबाव का सामना कैसे करना है और उन्होंने पेरिस ओलंपिक जा रहे भारतीय खिलाड़ियों को वर्तमान में रहने और खुले दिमाग से खेलने की सलाह दी। बीजिंग ओलंपिक 2008 में पुरूषों की 10 मीटर राइफल स्पर्धा का स्वर्ण जीतने वाले बिंद्रा ने कहा कि भारतीय खिलाड़ियों को ओलंपिक में बिताये समय का पूरा लुत्फ उठाना चाहिए। उन्होंने भारतीय एथलेटिक्स महासंघ द्वारा एक कार्यक्रम में कहा, 'मैं सभी खिलाड़ियों को शुभकामना देना चाहता हूं। उन्होंने इतनी स्पर्धाओं में लगातार अच्छा खेलकर वैसे ही हमें गौरवान्वित किया है। अब विश्व स्तर पर छा जाने का समय है।' उन्होंने कहा, 'ओलंपिक खेलों का सर्वोच्च मंच है। पूरी दुनिया उनका स्वागत करने को तत्पर है। पूरा देश चाहता है कि हमारे खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करें।' बिंद्रा ने कहा, 'मैं यही कहूंगा कि वर्तमान में रहें, अतीत या भविष्य का नहीं सोचें। खुले दिमाग से खेलें और अपनी मेहनत पर भरोसा रखें। असली आत्मविश्वास उसी मेहनत से आता है जो आप इतने समय से कर रहे हैं।' दो बार एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीत चुके शॉट पुट खिलाड़ी तेजिंदर पाल सिंह तूर ने कहा कि तोक्यो में नीरज चोपड़ा को भाला फेंक में मिले स्वर्ण पदक से ट्रैक और फील्ड में बाकी खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ा है। उन्होंने कहा, 'हमारे एथलीट पेरिस में पदक जीतेंगे। नीरज चोपड़ा के स्वर्ण पदक के बाद से बाकी एथलीट भी प्रेरित हुए हैं।' एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी किशोर जेना ने कहा, 'हमें देश का प्रतिनिधित्व करने पर गर्व है। यह खुशी की बात है कि इतने खिलाड़ियों ने ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया है। हमें अब तक के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की उम्मीद है।'

जय शाह ने की पुष्टि, टीम इंडिया के नए मुख्य कोच श्रीलंका सीरीज से जुड़ेंगे

ब्रिजटाउन (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने पुष्टि की है कि टीम इंडिया के नए मुख्य कोच आगामी श्रीलंका सीरीज के लिए टीम से जुड़ेंगे। टीम इंडिया को तीन मैचों की टी20 और तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए श्रीलंका का दौरा करना है जिसकी शुरुआत 27 जुलाई से होगी। टी20 विश्व कप 2024 के फाइनल मैच के बाद मुख्य कोच राहुल द्रविड़ का कार्यकाल समाप्त हो गया, जहां भारत ने दक्षिण अफ्रीका को सात रनों से हराकर 17 साल बाद प्रतिष्ठित ट्रॉफी जीती।

बारबाडोस में पत्रकारों से बात करते हुए शाह ने कहा कि क्रिकेट सलाहकार समिति (सीएसी) ने पहले ही दो लोगों का साक्षात्कार लिया है और उन्हें शॉर्टलिस्ट किया है। उन्होंने कहा कि मुंबई पहुंचने के बाद बीसीसीआई के सदस्य इसकी घोषणा करेंगे। बीसीसीआई सचिव ने पुष्टि की कि भारत के पूर्व क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण टीम के अंतरिम कोच के रूप में जिम्बाब्वे जाएंगे।

शाह के हवाले से कहा गया, %कोच और चयनकर्ता दोनों की नियुक्तियां जल्द ही की जाएंगी। सीएसी ने साक्षात्कार लिया है और दो नामों को शॉर्टलिस्ट किया है और मुंबई पहुंचने के बाद जो भी उन्होंने तय किया है, हम उसके अनुसार चलेंगे। वीवीएस लक्ष्मण जिम्बाब्वे जा रहे हैं, लेकिन श्रीलंका सीरीज से एक नया कोच शामिल होगा।'

गौतम गंभीर का नाम इस भूमिका के लिए काफी जोड़ा जा रहा है, कई पूर्व क्रिकेटरों ने 2011 विश्व कप विजेता को भारतीय टीम के मुख्य कोच के रूप में सफल होने का समर्थन किया है। गंभीर 2007 आईसीसी विश्व टी20 और 2011 क्रिकेट विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम के एक प्रमुख सदस्य थे, को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के साथ उनकी हाल की सफलता के लिए प्रशंसा मिली थी, जब वे इंडियन प्रीमियर लीग फ्रैंचाइजी में उनके मेंटर के रूप में वापस आए थे। हाल ही में समाप्त हुए सीजन में लगभग बेदाग प्रदर्शन करने के बाद केकेआर ने अपना तीसरा आईपीएल खिताब जीता।

विश्व जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप में रोमांचक मुकाबले होने की उम्मीद : पॉल-एरिक

नई दिल्ली । विश्व बैडमिंटन की वैश्विक संचालन संस्था (बीडब्ल्यूएफ) के प्रमुख पॉल-एरिक ने कहा है कि अगले साल भारत में होने वाले विश्व जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप में रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे। होयर ने कहा, ''भारत में तेजी से बैडमिंटन में काफी अच्छी प्रतिभाएं सामने आ रही हैं, ऐसे में विश्व जूनियर प्रतियोगिता का दूसरी बार भारत में आयोजन और भी अहम होगा। '' उन्होंने कहा, ''भारतीय बैडमिंट संघ (बीएआई) के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र बैडमिंटन में सभी अत्याधुनिक सुविधाएं है और ऐसे में यह उभरती हुई प्रतिभाओं के लिए टीम और व्यक्तिगत खिताब के लिए चुनौती पेश करने का बेहतरीन स्थान होगा।'' विश्व जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप 2025 में भारत में होगी। इसका आयोजन गुवाहाटी में राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में किया जाएगा।(बीडब्ल्यूएफ ने कहा कि करीब 15 साल बाद ये चैंपियनशिप भारत में होने जा रही है। इससे पहले साल 2008 में इसका आयोजन भारत में हुआ था। बीडब्ल्यूएफ ने कहा, ''टीम और व्यक्तिगत दोनों स्पर्धाएं गुवाहाटी राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में आयोजित की जाएंगी।'' पिछली बार इन खेलों का आयेजन पुणे में हुआ था।

पेरिस ओलंपिक से पहले नीरज चोपड़ा का बड़ा ऐलान, पेरिस डायमंड लीग में नहीं आएंगे नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। 26 जुलाई से 11 अगस्त के बीच खेलों का महाकुंभ ओलंपिक फ्रांस के पेरिस में शुरू होने जा रहा है। लेकिन उससे पहले टोक्यो ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट और स्टार भारतीय जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा को लेकर बड़ी खबर सामने आई है।

गोल्डन बॉय नीरज चोपड़ ने ओलंपिक से पहले होने वाले पेरिस डायमंड लीग से नाम वापस ले लिया है। इसका मतलब ये है कि ये स्टार खिलाड़ी अब डायमंड लीग में खेलते हुए नहीं दिखाई देंगे। वहीं इसके बाद अब उनकी चोट को लेकर फैंस के बीच कई सावल उठ रहे हैं।

इस पर बता दें कि, नीरज ने जांघ के भीतरी हिस्से की मांसपेशियों में असहजता के कारण इस लीग से नाम वापस लिया है। ईएसपीएन से बातचीत में नीरज ने कहा कि वह ट्रेनिंग और थ्रो करते समय ब्लॉकिंग करने वाले अपने पैर को मजबूत बनाने के लिए काम कर रहे हैं।

साथ ही उन्होंने कहा कि, मुझे थ्रो करते समय ब्लॉकिंग करने वाले पैर को मजबूत करना होगा क्योंकि उसी समय ग्रोइन में खिंचाव आता है। हम इस पर काम कर रहे हैं। मैं कुछ और टूर्नामेंट खेल सकता था और खेलना भी चाहता था। लेकिन मुझे लगता है कि स्वास्थ्य सर्वोपरि है, थोड़ी भी असहजता महसूस होने पर रुक जाना ही ठीक है।

बता दें कि, पिचले महीने फिनलैंड में पावो नुरमी खेलों में गोल्ड मेडल जीतने वाले नरीज ने कहा कि वह अब समझदार हो गए हैं और जोखिम नहीं लेते। साथ ही उन्होंने कहा कि ओलंपिक में स्वर्ण जीतने से पहले मैं हर प्रतिस्पर्धा में भाग लेना चाहता था। अब अनुभव के साथ सही फैसले लेने लगा हूं। फिनलैंड में प्रदर्शन अच्छा था लेकिन अभी और काम करना होगा।

क्या सरकार निवेशकों को कैपिटल गेन टैक्स में देगी राहत?

बिजनेस डेस्क :

नई एनडीए सरकार केंद्रीय बजट 2024 (पूर्ण बजट) पर जोर-शोर से काम कर रही है। इस बजट से इस बार हर किसी को काफी उम्मीदें हैं। जानकारों को उम्मीद है कि इस बार केंद्रीय बजट में सरकार निवेशकों को पूंजीगत लाभ कर (कैपिटल गेन टैक्स) के मामले में थोड़ी राहत जरूर दे सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि होल्डिंग अवधि को सुव्यवस्थित करने के लिए पूंजीगत लाभ व्यवस्था को तर्कसंगत और मानकीकृत करने से दरों में एकरूपता और दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ के लिए सूचीकरण के आधार वर्ष में बदलाव से निवेशकों को लाभ होगा। ऐसी उम्मीदें हैं कि घरेलू इक्विटी और म्यूचुअल फंड में एक समान होल्डिंग अवधि शुरू करके पूंजीगत लाभ कर संरचना को सरल बनाया जाएगा।

किस पर लगता है कैपिटल गेन टैक्स

इनकम टैक्स कानून के हिसाब से, चल और अचल दोनों तरह की पूंजीगत संपत्तियों की बिक्री से होने वाले लाभ पर कैपिटल गेन टैक्स चुकाना होता है। अलग-अलग प्रकार की संपत्तियों - जैसे इक्विटी, ऋण और रियल एस्टेट - पर अलग-अलग दरों और अवधियों पर टैक्स लगाया जाता है, जो यह निर्धारित करते हैं कि लाभ अल्पकालिक है या दीर्घकालिक। जानकारों को उम्मीद है कि सूचीबद्ध ऋण प्रतिभूतियों में प्रत्यक्ष निवेश और ऋण-उन्मुख म्यूचुअल फंड के जरिये समान उपकरणों में अप्रत्यक्ष निवेश के लिए टैक्स उपचार में समानता होगी। फिलहाल सूचीबद्ध ऋण प्रतिभूतियों और शून्य-कूपन बॉन्ड (सूचीबद्ध या गैर-सूचीबद्ध) में 12 महीने से अधिक के लिए प्रत्यक्ष निवेश को दीर्घकालिक निवेश माना जाता है। दूसरी तरफ अगर निवेश ऋण-उन्मुख म्यूचुअल फंड योजना के माध्यम से किया जाता है, तो दीर्घकालिक निवेश होने के लिए होल्डिंग अवधि 36 महीने तक बढ़ जाती है।

अप्रैल 2023 के बाद इक्विटी की तरफ झुकाव

एक्सपर्ट मानते हैं कि अगर लोन म्यूचुअल फंड निवेश के लिए दीर्घकालिक होल्डिंग अवधि को घटाकर 12 महीने कर दिया जाता है, तो यह दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ कर संरचना को सरल बनाकर निवेशकों के लिए कैटेगरी को आकर्षक बना देगा। अप्रैल 2023 के बाद निवेशकों के निवेश आवंटन में इक्विटी की तरफ झुकाव देखा गया है। एक्सपर्ट का कहना है कि हम निवेशकों को उनके निवेश सलाहकार की सलाह के आधार पर अपने पोर्टफोलियो में डेट इक्विटी मिक्स रखने में फायदा देख रहे हैं। यही वजह है कि डेट म्यूचुअल फंड के लिए कुछ टैक्स छूट की उम्मीद की जा सकती है।

हम इक्विटी के लिए पूंजीगत लाभ कर पर यथास्थिति की उम्मीद करते हैं।

2000 रु के 97.87% नोट वापस आए, 7,581 करोड़ रुपए मूल्य के नोट अब भी लोगों के पास

मुंबई :

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सोमवार को कहा कि दो हजार रुपए मूल्य के 97.87 प्रतिशत नोट बैंकों में वापस आ गए हैं। चलन से हटाए गए केवल 7,581 करोड़ रुपए मूल्य के नोट अब भी लोगों के पास हैं। आरबीआई ने 19 मई 2023 को 2000 रुपए मूल्य के बैंक नोट को चलन से वापस लेने की घोषणा की थी। चलन में 2000 रुपए मूल्य के बैंक नोट का कुल मूल्य 19 मई 2023 को कारोबार की समाप्ति पर 3.56 लाख करोड़ रुपए था। यह 28 जून 2024 को कारोबार की समाप्ति पर घटकर 7,581 करोड़ रुपए रह गया। केंद्रीय बैंक ने बयान में कहा, ''इस प्रकार 28 जून 2024 तक 2000 रुपये के 97.87 प्रतिशत बैंक नोट बैंकों में वापस आ गए हैं। सात अक्टूबर 2023 तक 2000 रुपए के बैंक नोट को जमा करने और/या बदलने की सुविधा देश की सभी बैंक शाखाओं में उपलब्ध थी। 19 मई 2023 से 2000 रुपए के बैंक नोट को बदलने की सुविधा रिजर्व बैंक के 19 निर्गम कार्यालयों में उपलब्ध रही। आरबीआई के निर्गम कार्यालय नौ अक्टूबर 2023 से लोगों और संस्थाओं से उनके बैंक खातों में जमा करने के लिए भी 2000 रुपए के नोट स्वीकार कर रहे हैं। इसके अलावा, लोग अपने बैंक खातों में जमा करने के लिए देश के किसी भी डाकघर से आरबीआई के किसी भी निर्गम कार्यालय में 2000 रुपए के बैंक नोट भेज रहे हैं। बैंक नोट को जमा/बदलने वाले आरबीआई के 19 कार्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, बेलापुर, भोपाल, भुवनेश्वर, चंडीगढ़, चेन्नई, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, कानपुर, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, नई दिल्ली, पटना और तिरुवनंतपुरम में हैं। उल्लेखनीय है कि नवंबर 2016 में उस समय चलन में मौजूदा 1000 रुपए और 500 रुपए के बैंक नोट को हटाए जाने के बाद 2000 रुपए के बैंक नोट लाए गए थे।

ज़ोमैटो को बड़ा झटका, मिला 9.45 करोड़ रुपए का जीएसटी नोटिस

नई दिल्ली ।

ऑनलाइन फूड डिलीवरी करने वाली कंपनी ज़ोमैटो लिमिटेड को एक झटका लगा है। दरअसल, कंपनी को कर्नाटक के वाणिज्यिक कर (ऑडिट) के सहायक आयुक्त से 9.45 करोड़ रुपए का माल और सेवा कर (जीएसटी) मांग नोटिस मिला है। कंपनी ने बीएसई एक्सचेंज फाइलिंग में इस बात की जानकारी दी। कर्नाटक के टैक्स रेगुलेटर ने 5.01 करोड़ रुपए जीएसटी डिमांड किया है। लाइवमिंट की खबर के मुताबिक, फाइलिंग के अनुसार, इसे 3.93 करोड़ रुपए के ब्याज शुल्क और 50.19 लाख रुपए के जुर्माने के साथ चिह्नित किया जाएगा, जिससे कुल राशि 9.45 करोड़ रुपए हो जाएगी।

खबर के मुताबिक, फाइलिंग में कंपनी ने बताया है कि कंपनी को जीएसटी रिटर्न और खातों के ऑडिट के तहत वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए टैक्स ऑर्डर प्राप्त हुआ है। बता दें, ज़ोमैटो के शेयर शुक्रवार, 28 जून को ₹200.15 पर पिछले बंद की तुलना में 0.10 प्रतिशत बढ़कर ₹200.35 पर बंद हुए। कंपनी ने टैक्स नोटिस के जवाब में कहा कि हमारा मानना है कि हमारे पास गुण-दोष के आधार पर एक मजबूत मामला है। कंपनी उचित प्राधिकारी के समक्ष आदेश के खिलाफ अपील दायर करेगी। यह पहली बार नहीं है जब फूड डिलीवरी कंपनी को टैक्स नोटिस मिला है। ज़ोमैटो को 2021 में गुरुग्राम के केंद्रीय माल और सेवा कर के अतिरिक्त आयुक्त से टैक्स नोटिस मिला था। उस समय की मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, उस नोटिस में कंपनी से ब्याज और जुर्माना शुल्क सहित ₹11.82 करोड़ का भुगतान करने की मांग की गई थी। कंपनी ने भी टैक्स आदेश के खिलाफ अपील करने का रुख अपनाया।

सोने और चांदी की कीमतों में नरमी

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय बाजार की तरह ही घरेलू बाजार में भी सोमवार को सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट आई है। सोने के वायदा भाव 71,550 रुपये जबकि चांदी के वायदा भाव 87,000 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने व चांदी की वायदा कीमतों में गिरावट रही। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का बेंचमार्क अगस्त अनुबंध 24 रुपये बढ़कर 71,606 रुपये पर खुला। यह अनुबंध 71,612 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 71,532 रुपये के भाव पर दिन के निचला स्तर पर पहुंचा। सोने का वायदा भाव इस साल 74,442 रुपये के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंचा। वहीं चांदी के वायदा भाव की शुरूआत कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई अनुबंध आज 187 रुपये नीचे आकर 86,980 रुपये पर खुला। ये एक समय 167 रुपये नीचे आकर 87,000 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। ये 87,068 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 86,906 रुपये के भाव पर दिन के निचले स्तर पर पहुंचा। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी के वायदा भाव की शुरुआत कमजोर रही। कॉमेक्स पर सोना 2,336.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला।

इस हफ्ते खुलेंगे 2,700 करोड़ रुपये के आईपीओ, दो कंपनियों की लिस्टिंग

मुंबई :

आईपीओ बाजार में तेजी बनी हुई है। एक के बाद एक कंपनियां अपना आईपीओ लेकर आ रही हैं। इस हफ्ते मेनबोर्ड कैटेगरी में एमक्योर फार्मास्युटिकल्स और बंसल वायर इंडस्ट्रीज का इनिशियल पब्लिक ऑफर (आईपीओ) आ रहा है। एमक्योर फार्मास्युटिकल्स का आईपीओ 3 जुलाई को आम जनता के लिए खुलेगा। इस आईपीओ के जरिए कंपनी करीब 1,952 करोड़ रुपये जुटाएगी। यह आईपीओ फ्रेश इश्यू और ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) का मिश्रण होगा। इस आईपीओ में 800 करोड़ रुपये का फ्रेश इश्यू और 1,152 करोड़ रुपये ओएफएस होगा। एमक्योर फार्मास्युटिकल्स का आईपीओ 3 से लेकर 5 जुलाई तक नाम निवेशकों के लिए खुलेगा। इसका प्राइस बैंड 960 रुपये से लेकर 1,008 रुपये प्रति शेयर रखा गया है। इसका लॉट साइज 14 शेयरों का तय किया गया है। शेयर की लिस्टिंग 10 जुलाई को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर हो सकती है। एमक्योर फार्मास्युटिकल्स, शार्क टैंक में जज रह चुकीं नमिता थापर से जुड़ी कंपनी है। कंपनी को 1981 में स्थापित किया गया था। कंपनी फार्मा सेक्टर में कार्य करती है। बंसल वायर इंडस्ट्रीज का भी आईपीओ 3 से लेकर 5 जुलाई के बीच खुलेगा। इस आईपीओ का इश्यू साइज 745 करोड़ रुपये का होगा। यह पूरा आईपीओ फ्रेश इश्यू होने वाला है। इसमें 2.91 करोड़ शेयरों की बिक्री की जाएगी। इसका लॉट साइज 58 शेयरों का रखा गया है। शेयर की लिस्टिंग 10 जुलाई को स्टॉक एक्सचेंज पर हो सकती है। बंसल वायर इंडस्ट्रीज एक स्टेनलेस स्टील कंपनी है। इसकी स्थापना 1985 में हुई थी। कंपनी हाई कार्बन स्टील वायर, लो कार्बन स्टील वायर और स्टेनलेस स्टील वायर सेगमेंट में कार्य करती है।

रुपया गिरावट के साथ खुला

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को शुरुआती कारोबार में भारतीय रुपया नौ पैसे टूटकर 83.43 पर पहुंच गया। रुपये की कीमतों में ये गिरावट कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और विदेशी पूंजी की निकासी से आई हैं। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.39 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती कारोबार के दौरान रुपया 83.43 प्रति डॉलर पर पहुंच गया ये पिछले बंद भाव से नौ पैसे की गिरावट दिखाता है। इसका कारण है कि शुक्रवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.34 पर बंद हुआ था। इसी बीच डॉलर सूचकांक 0.23 फीसदी की गिरावट के साथ ही 105.30 पर रहा। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.52 फीसदी की बढ़त के साथ ही 85.44 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। घरेलू शेयर बाजार में 30 शेयर वाला बीएसई सेंसेक्स 136.09 अंक करीब 0.17 फीसदी बढ़कर 79,168.82 अंक पर पहुंच गया जबकि एनएसई निफ्टी 41.75 अंक तकरीबन 0.17 फीसदी बढ़कर 24,052.35 अंक पर रहा।

हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी निवा बूपा ने 3,000 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए जमा कराए ड्राफ्ट पेपर

मुंबई । देश की बड़ी हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों में से एक निवा बूपा की ओर से सोमवार को 3,000 करोड़ रुपये के इनिशियल पब्लिक ऑफर (आईपीओ) के लिए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास जमा करा दिए गए हैं। जानकारी के मुताबिक, निवा बूपा हेल्थ इंश्योरेंस का आईपीओ फ्रेश इश्यू और ओएफएस का मिश्रण होगा। इसमें 800 करोड़ रुपये का फ्रेश इश्यू और 2,200 करोड़ रुपये का ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) होगा। इस ओएफएस में कंपनी के मौजूदा शेयरधारक भाग लेंगे। ओएफएस के तहत 320 करोड़ रुपये के शेयर बूपा सिंगापुर होल्डिंग्स पीटीई और 1,880 करोड़ रुपये के शेयर फेटल टोन एलएलपी की ओर से बेचे जाएंगे। बूपा सिंगापुर होल्डिंग्स की कंपनी में 62.27 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जबकि फेटल टोन एलएलपी की 27.86 प्रतिशत हिस्सेदारी है। रिपोर्ट्स में बताया गया कि मॉर्गन स्टेनली इंडिया, कोटक महिंद्रा कैपिटल, एक्सिस कैपिटल, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज और एचडीएफसी बैंक को कंपनी की ओर से हायर किया गया है। निवा बूपा दूसरी स्टैंड-अलोन हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी होगी, जो कि भारतीय स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होने वाली है। पिछले वर्ष सितंबर में निजी प्राइवेट इक्विटी फर्म टू नॉर्थ ने निवा बूपा हेल्थ इंश्योरेंस में अपनी 20 प्रतिशत हिस्सेदारी 2,700 करोड़ रुपये में पार्टनर कंपनी बूपा को 13,500 करोड़ रुपये के वैल्यूएशन पर बेच दी थी।

भारत मोबाइल फोन निर्यात में चीन और वियतनाम को दे रहा टक्कर

निर्यात वित्त वर्ष 2024 में 40 फीसदी से बढ़कर 15.6 अरब डॉलर हुआ

नई दिल्ली। मोबाइल फोन निर्यात के मामले में भारत, चीन और वियतनाम को टक्कर दे रहा है। वर्ष 2024 में चीन और वियतनाम के मोबाइल निर्यात में पिछले साल की तुलना में 2.78 फीसदी और 17.6 फीसदी की गिरावट आई, जबकि भारत के निर्यात में 40.5 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। चीन और वियतनाम के मोबाइल फोन निर्यात में करीब 50 फीसदी की कमी को भारत ने पूरा किया है यानी चीन और वियतनाम के मोबाइल फोन निर्यात में जितनी गिरावट आई है, उसमें से करीब 50फीसदी निर्यात की हिस्सेदारी भारत के हिस्से में आई है। स्मार्टफोन प्रोडक्शन-लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना की घोषणा चीन की सप्लाई चेन में हो रहे बदलाव के मद्देनजर की गई थी। रिपोर्ट में एक अधिकारी के हवाले से बताया गया है कि इसके नतीजे दिखने लगे हैं। चीन मोबाइल फोन का टॉप निर्यातक बना हुआ है, लेकिन भारत भी उसके बराबर में आता दिख रहा है। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार(आईटीसी) के आंकड़ों के मुताबिक चीन का मोबाइल फोन निर्यात वित्त वर्ष 2023 में 136.3 अरब डॉलर से घटकर वित्त वर्ष 2024 में 132.5 अरब डॉलर रह गया, जो 2.8फीसदी की कमी है। इसके कुल निर्यात में 3.8 अरब डॉलर की गिरावट आई। वियतनाम का मोबाइल निर्यात भी वित्त वर्ष 2023 में 31.9 अरब डॉलर से घटकर वित्त वर्ष 2024 में 26.27 अरब डॉलर पर आ गया है, जो 17.6फीसदी की कमी या कुल निर्यात में 5.6 अरब डॉलर की गिरावट है। दोनों देशों के निर्यात में मिलाकर कुल कमी 9.4 अरब डॉलर रही। भारत का मोबाइल फोन निर्यात वित्त वर्ष 2024 में 40फीसदी से बढ़कर 15.6 अरब डॉलर हो गया। ये वित्त वर्ष 2023 में 11.1 अरब डॉलर था, यानी 4.5 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 443 अंक, निफ्टी 131 अंक ऊपर आया

आईटी, धातु और वित्तीय शेयरों में आया उछाल

मुम्बई ।

आईटी, धातु और वित्तीय शेयरों में आये उछाल से घरेलू शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले-जुले संकेतों के बाद भी लिवाली (खरीददारी) हावी होने से बाजार में तेजी आई है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई मानक सूचकांक सेंसेक्स 443.46 अंक करीब 0.56 फीसदी की बढ़कर 79,476.19 अंक पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 131.35 अंक तकरीबन 0.55 फीसदी उपर आकर अंत में 24,141.95 अंक पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 20 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। टेक महिंद्रा, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फाइनेंस, एचयूएल और टीसीएस सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे। वहीं इंफोसिस, जेएसडब्लयू स्टील, एचडीएफसी बैंक, टाटा मोटर्स, आईटीसी, आईसीआईसीआई बैंक, टाइटन, मारुति, एचसीएल टेक, नेस्ले इंडिया, भारती एयरटेल, एशियन पेंट्स, एमएंडएम, टाटा स्टील और कोटक बैंक के शेयर भी लाभ के साथ बंद हुए। वहीं दूसरी ओर सेंसेक्स के 30 शेयरों में 10 शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये हैं। इसमें एनटीपसी, एसबीआई, सन फार्मा, एलएंडटी और इंडसइंड बैंक सेंसेक्स के सबसे अधिक नुकसान वाले पांच शेयर रहे। इसके अलावा, बजाज फिनसर्व, पावर ग्रिड, रिलायंस, एक्सिस बैंक और अदाणी पोर्ट्स के शेयर भी नीचे आये। बाजार जानकारों के अनुसार अमेरिकी पीसीई मुद्रास्फीति में कमी के साथ सितंबर में फेड द्वारा दर में कटौती की उम्मीद बढ़ने से घरेलू बाजार में तेजी की उम्मीद से भी आईटी शेयरों में उछाल आया। वहीं दूसरी ओर व्यापक सूचकांक इंट्रा-डे कारोबार में रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गए। बीएसई मिडकैप इंडेक्स 1.11 फीसदी बढ़कर बंद हुआ और अपने शीर्ष स्तर 46,696 के करीब पहुंच गया। वहीं बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स भी 1.58 फीसदी बढ़कर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह बाजार सपाट शुरुआत हुई। सप्ताह के पहले ही कारोबार दिन दुनिया से प्राप्त मिले-जुले संकेतों से 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 44 अंक बढ़कर 79,077 के स्तर पर खुला। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 50 इंडेक्स 0.04 फीसदी की हल्की बढ़त के साथ 24,019 पर खुला। दुनिया के बाजारों की बात करें तो एशिया-पेसिफिक बाजारों में अलग-अगल प्रकार का कारोबार देखने में आया। एशियाई बाजारों की बात करें तो जापान का निक्केई 225 0.42 फीसदी बढ़ा जबकि व्यापक टॉपिक्स इंडेक्स 0.52 फीसदी बढ़ा। दूसरी ओर दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.27 फीसदी नीचे आया, हालांकि कोस्डैक 0.79 फीसदी बढ़ा। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया के एसएंडपी/एएसएक्स 200 में 0.49 फीसदी की गिरावट रही। हांगकांग के बाजार अवकाश के कारण बंद रहे। अमेरिकी बाजार में गिरावट रही। एसएंडपी 500 में 0.41 फीसदी की गिरावट आई, जबकि नैस्डैक कंपोजिट में 0.71 फीसदी की गिरावट रही।

अब यूपी के चार एक्सप्रेस-वे पर मिलेगी ई-व्हीकल चार्जिंग की सुविधा

अडाणी टोटल एनर्जी ई-मोबिलिटी लिमिटेड को सौंपी निर्माण की जिम्मेदारी

लखनऊ। यूपी की योगी आदित्यनाथ की सरकार ईवी को प्रमोट कर रही है। ईवी की संख्या में इजाफा को देखते हुए चार्जिंग स्टेशनों को लेकर भी सरकार गंभीर है। अब यूपी के एक्सप्रेस-वे पर ई-व्हीकल के लिए चार्जिंग सुविधाओं को बढ़ा जा रहा है। प्रदेश के चार प्रमुख एक्सप्रेस-वे पर चार्जिंग स्टेशन बनाने की योजना बनाई है। यूपी के आगरा-लखनऊ एक्स सप्रेस-वे, पूर्वांचल एक्स सप्रेस-वे, बुंदेलखंड एक्स सप्रेस-वे और गोरखपुर लिंक एक्स सप्रेस-वे पर 26 चार्जिंग स्टेशन बनाने की योजना है। यूपी ईवी पॉलिसी 2022 के तहत प्रदेश के प्रमुख एक्सप्रेस-वे पर नए चार्जिंग स्टेशनों को स्थापित किया जा रहा है। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे, बुंदेलखंड एक्स सप्रेस-वे और गोरखपुर लिंक एक्स सप्रेस-वे पर 14 जनसुविधा परिसरों का भी निर्माण किया जाएगा जिससे यहां से गुजरने वाले वाहनों को राहत मिलेगी। साथ ही, ईवी बसों को भी लंबी दूरी के मार्गों पर चलाया जाएगा। इससे परंपरागत इंधन पर निर्भरता को कम किया जा सकेगा। यूपी के चार प्रमुख एक्सप्रेस-वे पर चार्जिंग स्टेशन बनाए जाएंगे। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर आठ नए चार्जिंग स्टेशन बनेंगे। वहीं 341 किलोमीटर लंबे पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे और 296 किलोमीटर लंबे बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे पर भी 8-8 नए चार्जिंग स्टेशन बनाए जाएंगे। 91 किलोमीटर लंबे गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे पर दो ईवी चार्जिंग स्टेशन बनाने की योजना है। एक्सप्रेस-वे पर ईवी चार्जिंग स्टेशनों के निर्माण के लिए एजेंसी का चयन कर लिया है। मेसर्स अडाणी टोटल एनर्जी ई-मोबिलिटी लिमिटेड को निर्माण की जिम्मेदारी दी गई है। वाहनों के चार्जिंग के रेट को भी जल्द तय किया जाएगा। इसके अलावा चारों एक्सप्रेस-वे पर 14 जनसुविधा केंद्रों के निर्माण का कार्य किया जा रहा है। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे पर दो जनसुविधा परिसर का पीपीपी मॉडल पर विकास के लिए भारत पेट्रोलियम लिमिटेड का चयन किया गया है। अन्य 12 परिसरों का विकास ईपीसी मॉडल पर यूपीडा की ओर से कराया जाना है।

चीनी इंजीनियरों के लिए वीजा मांग रहा अडानी ग्रुप

नई दिल्ली :

समझा जाता है कि अडानी समूह के सौर विनिर्माण कारोबार ने चीन से करीब 30 इंजीनियरों को लाने के लिए केंद्र सरकार से मंजूरी मांगी है। बुनियादी ढांचे से लेकर खनन क्षेत्र वाले इस समूह के लिए ये इंजीनियर सौर उपकरणों की दमदार और स्वदेशी आपूर्ति श्रृंखला बनाने में मदद कर सकते हैं। कंपनी ने अपनी प्रस्तुतियों में आठ विदेशी साझेदारों का उल्लेख किया है। ये सभी चीन के हैं और मूल उपकरण विनिर्माता (ओईएम) तथा आपूर्ति श्रृंखला विक्रेता हैं। कंपनी ने वित्त वर्ष 2021-22 में 591 करोड़ रुपए के और वित्त वर्ष 2022-23 में 180 करोड़ रुपए के चीनी उपकरणों का आयात किया है। अडानी सोलर की सौर विनिर्माण इकाई मुंद्रा सोलर टेक्नोलॉजी लिमिटेड (एमएसटीएल) ने साल 2027 तक 10 गीगावॉट की एकीकृत सौर विनिर्माण क्षमता निर्माण का लक्ष्य रखा है। सरकार को दी गई कंपनी की सूचना के अनुसार यह कारखाना गुजरात के कच्छ में 25,114 करोड़ रुपए के निवेश से लगाया जा रहा है। मुंद्रा सोलर केंद्र सरकार की उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (PLI) योजना के तहत भी पात्र है। पीएलआई योजना के तहत यह चार गीगावॉट सौर मॉड्यूल विनिर्माण लगाएगी। इसका इंगट, वेफर और सेल (सौर मॉड्यूल/पैनल हिस्से) विनिर्माण पीएलआई में शामिल नहीं हैं। फरवरी में अडानी सोलर ने अपनी सौर विनिर्माण इकाई में काम पर रखे जाने वाले 15 चीनी नागरिकों के लिए वीजा मांगा था। मार्च में उसने 13 और चीनी नागरिकों के लिए वीजा का अनुरोध किया। ये इंजीनियर अडानी सोलर के चीनी सौर आपूर्ति श्रृंखला के विक्रेताओं के साथ काम कर हैं। विदेशी विक्रेताओं और अधिकारियों के लिए मंजूरी की मांग करते हुए सौर पीएलआई के लिए नोडल मंत्रालय- नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) को दिए अपने आवेदन में कंपनी ने अपने सौर कारोबार को

मेक इन इंडिया पहल का हिस्सा बताया है।

अडानी सोलर की ओर से सूचीबद्ध आठ चीनी विक्रेता सिलिकॉन सेल, फोटोइलेक्ट्रिक उपकरण, वेफर विनिर्माण, सेमीकंडक्टर और सौर उपकरण आपूर्ति श्रृंखला के लिए जरूरी ऐसी ही उपकरणों के निर्माण में लगे हुए हैं। इन फर्मों के इंजीनियर उत्पाद इकाइयां लगाने, मौजूदा इकाइयों में उत्पादन बढ़ाने और भारतीय कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने में अडानी की मदद करेंगे। भारत में उनके रहने की अवधि छह महीने से एक वर्ष तक की है। चीन के इंजीनियरों को वीजा मंजूरी के लिए कंपनी ने तर्क दिया है कि ऐसी सौर इकाई लगाने के लिए भारत में विशेषज्ञता की कमी है।

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतें घटीं

नई दिल्ली। तेल कंपनियों ने सोमवार को व्यवसायिक उपयोग वाले (कमर्शियल) एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 31 रुपये की कटौती की है। इससे इसका उपयोग करने वालों को राहत मिली है। अब 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतें कम हो गयी हैं। दिल्ली में अब कमर्शियल सिलेंडर 1676 की जगह 1646 रुपए जबकि कोलकाता में यह सिलेंडर अब 1756 रुपए में मिलेगा। पहले इसके दाम 1787 रुपए थे। वहीं मुंबई में सिलेंडर 1629 रुपए से घटकर 1598 रुपये का हो गया है जबकि चेन्नई में सिलेंडर 1809.50 रुपए का मिल रहा है। वहीं घरेलू गैस सिलेंडर के दाम पहल की तरह ही रहेंगे। इसमें कोई कटौती नहीं की गयी है। दिल्ली में यह 803 और मुंबई में 802.50 का मिल रहा है। घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतें मार्च में 100 रुपये कम की गयीं थीं। दिल्ली में अब घरेलू एलपीजी सिलेंडर 803 रुपये, कोलकाता में 829 रुपये, मुंबई में 802.50 रुपये और चेन्नई में 818.50 रुपये में मिल रहा है। वहीं जून 2023 को घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतें देश भर में करी 1100 रुपये थी। इसक बाद तेल कंपनियों ने पिछले साल 30 अगस्त 2023 को इसमें 200 रुपये घटाये थे। इसके दाम 900 रुपये तक पहुंच गये थे। वहीं इस साल चुनावों के पहले इनके दाम में एक बार फिर 100 रुपये की कमी की गयी जिससे इसकी कीमतें और कम हुई और 800 तक पहुंच गयीं।

BUYING OR SELLING A PROPERTY?

LET'S WORK TOGETHER!

Buying or selling a property can be a stressful process if you don't have the right real estate agent. With 25 years of experience, you can rely on us to get you the best possible result.

propre
Luxury Real Estate

CONTACT:

INFO@PROPRELUXURYREALESTATE.COM
+91 9871577057
@PROPRELUXURYREALESTATE.COM

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, राजेश चौधरी द्वारा वत्स ऑफसैट, मुद्दा हाउस, सी. ब्लॉक, बारात घर के सामने, सेक्टर-22, नोएडा से मुद्रित तथा ई-189, सेक्टर-63, नोएडा गौतमबुद्धनगर उ.प्र. से प्रकाशित।
संपादकः **जितेन्द्र चौधरी**, आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, फोन नं.: 9999511233, ई-मेल : vishalindianews@gmail.com, वेब : www.vishalindia.in